सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

खास-खबर

डीजीपी पद के रेस में कौन मारेगा बाजी, हुआ त्रिकोणीय मुकाबला

रायपुर। छत्तीसगढ़ का अगला पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कौन होगा, इसका फैसला इसी महीने हो जाएगा। राज्य के मौजूदा डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल 4 अगस्त को समाप्त हो रहा है, जिसके बाद राज्य सरकार को योग्य अफसरों के नामों की सूची यूपीएससी को भेजनी होगी। राज्य में डीजीपी और डीजी के एक-एक कॉडर और दो एक्स कॉडर पद हैं। हाल ही में एडीजी से डीजी रैंक पर पदोन्नति के लिए डीपीसी की बैठक हुई, जिसमें अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता के नाम को हरी झंडी मिली। डीजी बनने की दौड़ में शामिल पवन देव का नाम विभागीय जांच के कारण लिफाफे में बंद था, लेकिन अब उनका नाम भी खोल दिया गया है और उन्हें डीजी प्रमोट कर दिया गया है।

डीपीसी से मंजूरी मिलने के बाद अरुण देव और हिमांशु गुप्ता को डीजी प्रमोट करने का आदेश भी जारी हो गया है। ऐसे में माना जा रहा था कि इन्हीं दोनों में से कोई एक डीजीपी बनेगा, लेकिन अब पवन देव के भी डीजी प्रमोट हो जाने के बाद मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। पवन देव वर्तमान में राज्य के सबसे वरिष्ठ आईपीएस अफसर हैं। डीजीपी पद के लिए 25 साल की सेवा जरुरी है। इस मापदंड में राज्य कैडर के 8 आईपीएस अफसर जिसमें 1992 बैच: पवन देव और अरुण देव गौतम, 1994 बैच: हिमांशु गुप्ता और एसआरपी कल्लूरी, 1995 बैच: प्रदीप गुप्ता, 1996 बैच: विवेकानंद, 1997 बैच: दिपांशु काबरा और 1998 बैच: अमित कुमार शामिल हो रहे हैं। राज्य सरकार की तरफ से भेजे गए इन नामों में से यूपीएससी तीन नामों का पैनल फायनल कर भारत सरकार के गृह मंत्रालय को भेजेगी, फिर वहां से लेटर राज्य सरकार को आएगा। राज्य सरकार इनमें से किसी को डीजीपी नियुक्त करेगी। छत्तीसगढ़ में डीजीपी की दौड़ में 1992 से 1998 बैच के कुल 8 अफ्सर हैं। यदि 1992 बैच के दोनों अफ्सरों में से किसी एक को डीजीपी बनाया जाता है तो दूसरे को पीएचक्यू से बाहर पदस्थ किया जाएगा। इस समय पवन देव पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के एमडी हैं और अरुण देव नगर सेना सहित अन्य जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यदि हिमांशु गुप्ता को डीजीपी बनाया जाता है तो दोनों वरिष्ठ अफ्सरों को पीएचक्यू से बाहर रहना पड़ेगा। वहीं, यदि किसी जूनियर को डीजीपी बनाया जाता है तो कुल 4 अफसरों को पीएचक्यू से बाहर पदस्थ करना पड़ेगा।

गुटीय संतुलन पर लौटगी कांग्रेस

पार्टी के अन्य धड़ों को मिलेगी तवज्जो, संगठन में नीचे से ऊपर तक फेरबदल के संकेत

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। प्रदेश की सत्ता में आने के बाद कांग्रेस में वर्चस्व की लड़ाई का नतीजा विधानसभा और लोकसभा चुनाव में करारी पराजय के रूप में सामने आया था। माना गया कि गुट विशेष को ज्यादा महत्व दिए जाने के चलते प्रदेश में कांग्रेस की बुरी गत बनी। अब इससे सबक लेते हुए प्रदेश संगठन में बड़ा फेरबदल करने की तैयारी है। खासतौर पर गुटीय संतुलन पर जोर दिया जाएगा। टीएस सिंहदेव और चरणदास महंत जैसे सीनियर नेताओं के समर्थकों को संगठन में महत्व मिलेगा, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कई समर्थकों की संगठन से छुट्टी हो सकती है। कहा जा रहा है कि नीचे से लेकर ऊपर तक के संगठन में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कांग्रेस की मंगलवार को हुई बैठक के बाद यह संकेत मिले हैं। हालांकि परिवर्तन की बातें लोकसभा चुनाव के बाद से ही चर्चा में रही है।

प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों के साथ ही विधायकों की मंगलवार को अहम् बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी के भीतर वाद-विवाद और अंर्तकलह की बातें सामने आई। इससे पहले हाईकमान द्वारा गठित फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के समक्ष भी यही यही सब हुआ था। इस कमेटी के दिल्ली लौटने के बाद छत्तीसगढ़ में दो दिवसीय समीक्षा बैठक तय की गई। इसी के तहत प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में मंगलवार को बैठक हुई। दोपहर में शुरू हुई इस बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्षों, विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों से चुनावी पराजय के कारणों पर चर्चा की गई। हार की कई वजहों में कांग्रेस सरकार में हुए भ्रष्टाचार, जमीनी कार्यकर्ताओं की पूछपरख नहीं होने, उनका कोई काम नहीं होने के साथ ही सत्ता व संगठन में आपसी अंतर्कलह व वाद-विवाद को जिम्मेदार ठहराया गया।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के समक्ष भी फूटी थी नाराजगी

लोकसभा चुनाव में अपेक्षानुरूप परिणाम नहीं आने से चिंतित पार्टी हाईकमान ने हार के कारणों की पड़ताल करने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया। पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली की अगुवाई में गठित इस दो सदस्यीय कमेटी ने जब स्थानीय स्तर पर पड़ताल शुरू की तो यह बात खुलकर सामने आई कि सत्ता और संगठन के कामकाज से पार्टी का एक बड़ा वर्ग नाराज था। इस कमेटी के समक्ष नेताओं व कार्यकर्ताओं ने अपनी नाराजगी भी जाहिर की। कहा गया कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रहने की वजह से कार्यकर्ता खामोशी ओढ़े रहे, लेकिन विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव की पराजय के चलते कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। इन सबके चलते फैक्ट फाइंडिंग कमेटी भी चकित रह गई। टीम के सामने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को हार के प्रमुख कारणों में बताया गया। संभवतः इसीलिए अब यह माना जा रहा है कि सांगठनिक बदलाव में पूर्व मुख्यमंत्री के करीबियों की छुट्टी हो सकती है।

पराजय वाले क्षेत्रों में बदलेगा नेतृत्व

जिन जिलाध्यक्षों के क्षेत्र में कांग्रेस को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पराजय मिली, उन क्षेत्रों में संगठन का नेतृत्व बदला जा सकता है। दिल्ली से लौटने के बाद से ही पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बदलाव के संकेत दिए थे। कांग्रेस बड़े पैमाने पर जिला अध्यक्षों को बदलने पर विमर्श कर रही है। साथ ही राज्य स्तरीय पदाधिकारियों पर भी गाज गिर सकती है। विधानसभा-लोकसभा में जिन सीटों पर कांग्रेस को हार मिली है, वहां के जिलाध्यक्षों को साफ संकेत दे दिए गए हैं। साथ ही जिला स्तर पर संगठनात्मक ढांचे में भी फेरबदल होगा। प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक में बदलाव पर अंतिम निर्णय होगा। आज बुधवार को पार्टी की बैठक में नगरीय निकाय चुनावों को लेकर चर्चा चल रही है। बताया जाता है कि मंगलवार की बैठक में बैज ने एक-एक कर जिलाध्यक्षों के साथ सवाल-जवाब किया। उनसे पूछा गया कि क्यों न पार्टी के बुरे प्रदर्शन की वजह से आप पर कार्रवाई की जाए।

पहले जिला फिर प्रदेश पदाधिकारियों से चर्चा

दोपहर 2 बजे शुरू हुई बैठक में पहले जिलाध्यक्षों से संवाद किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने की, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उपाध्यक्ष गुरमुख सिंह होरा, अंबिका मरकाम व राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम समेत अन्य नेता शामिल हुए। जिलाध्यक्षों से सवाल-जवाब का लम्बा दौर चला। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों से चर्चा की गई। गौरतलब है कि दिल्ली से लौटने के बाद पीसीसी चीफ दीपक बैज ने संगठन में बदलाव के संकेत दिए थे। माना जा रहा है कि जिले से लेकर प्रदेश संगठन में जल्द ही बड़ा फेरबदल हो सकता है। जानकारों के मुताबिक, प्रदेश में लगातार पराजय के बाद अब छत्तीसगढ़ पर हाईकमान की सीधी नजर है। ऐसे में बड़े फेरबदल में शीर्ष नेतृत्व की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कहा जा रहा है कि सत्ता में रहने के दौरान एक गुट विशेष पूरी तरह से हावी रहा। इसलिए अब गुटीय संतुलन बनाने पर जोर दिए जाने की तैयारी है।

आक्रामक रूख अपनाने की तैयारी

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र जल्द ही प्रारम्भ होने जा रहा है। इस सत्र में कांग्रेस आक्रामक रूख अख्तियार करेगी। पार्टीजनों का कहना है कि कांग्रेस के पास विधानसभा में इतनी सीटें तो है कि वह सत्तारूढ़ दल पर दबाव बना सके। वर्तमान में कांग्रेस की स्थिति पिछले चुनाव के बाद की भाजपा की स्थिति से बहुत बेहतर है। इसलिए सरकार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोलने में कोई दिक्कत नहीं है। पीसीसी चीफ दीपक बैज के मुताबिक, बिजली की बढ़ी दरें, कानून व्यवस्था, फर्जी नक्सल घटनाएं, किसानों की आत्महत्या, महंगे खाद-बीज और महंगाई समेत जनहित के ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार को आक्रामक तरीके से घेरा जाएगा। बैज ने कहा कि पटवारी हड़ताल पर हैं, तहसीलदारों ने खुलेआम नाराजगी व्यक्त की है। सरकार व्यवस्था नहीं संभाल पा रही है। कांग्रेस जनहितों के मुद्दे पर सदन के भीतर से लेकर सड़क की लड़ाई लड़ेगी।

दर्दनाक हादसा: सड़क पर लग गया लाशों का ढेर...18 की मौत, डबल डेकर बस टैंकर से टकराई

उन्नाव (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में बुधवार सुबह लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे भीषण सड़क हादसा हुआ। डबल डेकर बस एक टैंकर से टकरा गई। टकराने के बाद हाईवे पर बस कई बार पलटी। दर्दनाक हादसे में 18 यात्रियों की जान चली गई, जबकि 19 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, डबल डेकर बस (यूपी 95 टी 4720) बिहार के शिवगढ़ से राजधानी दिल्ली जा रही थी। जैसे ही स्लीपर बस लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बेहटा मुजावर थाना इलाके में हवाई पट्टी पर पहुंची तो दूध से भरे टैंकर में भिड़ गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां लाशों का अंबार लग गया। सड़क पर लाश ही लाश दिखाई दे रहीं थीं। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक बच्चे और महिलाओं समेत 18 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 20 यात्री गंभीर रूप से जख्मी हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शुरुआती जांच में पता चला है कि बस की स्पीड अधिक थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया स्लीपर बस अनियंत्रित होकर टैंकर से टकराई थी, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि इसे देखकर घटनास्थल पर मौजूद लोग सहम गए।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गढ़ा गांव के सामने हुए सड़क हादसा के बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी

है। वहीं, पुलिस ने कुछ मृतकों की शिनाख्त कर ली है। उन्नाव के जिला अधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि दिल्ली जा रही एक निजी बस में करीब 57 यात्री सवार थे। सुबह 5:15 बजे बस की दूध के कंटेनर से टक्कर होने से 18 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। करीब 20 लोग सुरक्षित हैं, जिन्हें दिल्ली भेजा जा रहा है।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना पर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि हादसे में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखदाई है। ऐसी आकस्मिक मृत्यु का शिकार हुए लोगों के परिवार के सदस्यों के प्रति मैं गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।
- पीएमओ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्नाव में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।
- उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव ज़िले में हुई सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए।

सियादेवी दर्शन को गए दुर्ग के 3 युवकों की हादसे में मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बालोद जिले में सड़क हादसे में 3 युवकों की जान चली गई है। 5 लोग दुर्ग से बालोद घूमने आए थे, जिनमें से तीन दोस्त एक ही बाइक में सवार थे। इनकी बाइक सियादेवी मंदिर जाने के दौरान पेड़ से जा टकराई। हादसे में तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सभी युवक दुर्ग जिले के विनायकपुर गांव के रहने वाले थे। हादसे में 21 साल के नमन सेन, 26 साल के देवा निषाद और 26 साल के ही खिलेश पटेल की मौत हो गई। मृतकों में से एक नमन सेन का भाई डेविड सेन और उसकी दोस्त डिलेश्वरी साहू दूसरे बाइक में सवार थे।

दर्शन करने के लिए निकले थे पांच लोग

बताया गया कि दुर्ग जिले के पांचों लोग दो बाइकों में सियादेवी मंदिर में दर्शन करने के लिए निकले थे। तभी एक बाइक रानीमाई से थोड़ी दूर ही सीधे पेड़ से जा टकराई। उनके पीछे डेविड और डिलेश्वरी एक बाइक में थे। दोनों हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे। जहां से स्थानीय लोगों की मदद से सभी को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।

नारा गांव में है सिया देवी मंदिर

तीनों जिगरी दोस्तों की मौत की जानकारी पुलिस को दी गई। डीएसपी डीएस राठौर के अनुसार, मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई। परिजन बालोद जिला अस्पताल पहुंचे। तीनों मृतकों के शव को मॉर्चुरी में रखा गया। देर शाम होने के चलते पोस्टमॉर्टम आज बुधवार को सुबह किया गया। इसके बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। बता दें कि सिया देवी माता का मंदिर बालोद-गुरुर मार्ग पर सांकरा गांव से 25 किमी दूर नारा गांव की पहाड़ी पर स्थित है। जंगल, पहाड़, झरना होने के कारण यह पर्यटन स्थल भी है। बारिश के समय लोग यहां पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

पश्चिम बंगाल के वीर पुरुष

श्रीकंचनपथ

साहित्य, संस्कृति और संगीत का प्रदेश पश्चिम बंगाल। अपने मर्मस्पर्शी साहित्य, मनोहारी गीत-संगीत, मिठाई और व्यंजनों के लिए जाना जाने वाला बंगाल। पर अब यह किसी और काम के कुख्यात हो रहा है। अब इसकी शोहरत मानवाधिकारों के हनन, महिलाओं के उत्पीड़न की वजह से भी है। एक ऐसी ही घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कमरे में 5-6 लोग हैं। चार लोगों ने एक महिला को हाथ और पैरों से पकड़कर लटका रखा है। उसका शरीर जमीन के समतल हवा में झूल रहा है। दो वीर पुरुष महिला की पीठ पर लाठियां बरसा रहे हैं और वह चीख रही है। पुलिस ने वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है और कुछ आरोपियों को पकड़ भी लिया है। मामले पर राजनीति शुरू हो चुकी है। कहा जा रहा है कि इनमें से एक तृणमूल विधायक का करीबी है। आरोप चाहे कुछ भी हो, इस तरह की बर्बरता को बंगाल बर्दाश्त कैसे करता है। एक ऐसी ही घटना कुछ दिन पहले भी प्रकाश में आई थी जिसमें एक युवा जोड़े को सड़क पर सबकी उपस्थिति में सजा दी जा रही थी। वायरल वीडियो में पीटने वाला शख्स युवती को सजा देने के लिए ज्यादा उत्सुक दिखाई देता है। वह उसके नाजुक अंगों को ही बार-बार निशाना बना रहा है। युवक पास में ही बैठा हुआ है जिसकी पीठ पर वह कभी-कभार एक दो वार कर देता है। क्या यह वही बंगाल है जहां मां दुर्गा और मां काली की पूजा होती है? जिस राज्य की मुख्यमंत्री एक महिला है। दरअसल, पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में आज भी 'सालिसी सभा' का बोलबाला है। इस सामंती व्यवस्था में किसी का दोष सिद्ध करने के लिए एक अकेला आदमी काफी होता है। वह न केवल लोगों को दोषी ठहराता है बल्कि उन्हें तत्काल सजा भी देता है। यहां अपील या सुनवाई की कोई व्यवस्था नहीं होती। पीड़ितों में 'सालिसी सभा' या कंगारू कोर्ट का ऐसा खौफ होता है कि वो उसके खिलाफ किसी अदालत या पुलिस थाना जाने की सोच भी नहीं सकते। हालिया मामले में भी महिला ने उन्हीं लोगों के खिलाफपुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जो इस घटना का वीडियो बना रहे थे। जबकि यदि यह वीडियो नहीं बनता तो यह मामला देश-दुनिया के सामने ही नहीं आता। इस तरह के कंगारू कोर्ट पश्चिम बंगाल में तभी से अस्तित्व में हैं जब वहां वामपंथी सरकारें थीं। ममता के शासनकाल में न केवल इन अदालतों की संख्या बढ़ी है बल्कि सजा देने का इनका तरीका भी वीभत्स होता जा रहा है। आखिर क्यों बर्दाश्त कर रहा है बंगाल और क्यों बर्दाश्त कर रहा है देश। इससे पहले कि लोग यहां कांटे से कांटा निकालने का रास्ता अपना लें, कानून का हस्तक्षेप जरूरी है। यदि राज्य सरकार लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराने और कानूनी उपचार देने में विफल रहती है तो केन्द्र हस्तक्षेप करे।

संपादकीय

दोषियों को दंड मिले

हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जिस तत्परता से अपनी रिपोर्ट सौंपी है और उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके आलोक में जिस त्वरित गति से एसडीएम समेत छह अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की है, उसकी सराहना की जानी चाहिए। इस हादसे में 120 से अधिक मासूम लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था और उनके परिजनों को जीवन भर का दर्द मिल गया है। ऐसे में, हर तरफ से जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग उठ रही थी और राज्य सरकार ने बिना देरी किए जांच दल गठित की थी। अब एक हफ्ते के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपकर एसआईटी ने इंसाफकी प्रक्रिया को गति दी है।

> अमूमन ऐसी रिपोर्टें तब आती हैं, जब संबंधित घटनाएं लोगों के जेहन से उतर चुकी होती हैं और ऐसे में उन रिपोर्टों पर क्या कार्रवाई हुई, यह लोगों को पता भी नहीं चल पाता और अक्सर लीपा-पोती हो जाती है। मगर हाथरस हादसे की गहरी टीस अब भी लोगों के भीतर बनी हुई है। यही कारण है कि अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है, जहां 12 जुलाई को इससे जुड़ी याचिका पर सुनवाई होगी।

एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में आयोजकों को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया है और साफ-साफ कहा है कि उन्होंने प्रशासन को धोखे में रखकर इजाजत ली। स्थानीय प्रशासन से तथ्य छिपाए गए और इतनी विशाल भीड़ के प्रबंधन के लिए जरूरी इंतजाम नहीं किए गए थे। बल्कि बाबा नारायण साकार तक लोगों के पहुंचने की कोई व्यवस्था नहीं थी और जब भगदड़ मची, तो आयोजक घटनास्थल से फरार हो गए। ये तमाम बातें तो 2 जुलाई से ही कही जा रही हैं, मगर एसआईटी रिपोर्ट में जिस तरह से एसडीएम की लापरवाही का जिक्र किया गया है, उससे हमारे प्रशासनिक अमले में पैठ आई काहिली का ही उद्घाटन होता है। क्या एसडीएम को बाबा नारायण साकार के सत्संगों में उमड़ने वाली भीड़ का कोई अंदाजा नहीं था कि उन्होंने आयोजन स्थल का दौरा किए बगैर ही इसकी अनुमति दे डाली? उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों तक को सूचित नहीं किया। इसलिए उनके साथ-साथ अन्य संबंधित अधिकारियों का निलंबन बिल्कुल जायज है। सत्संग के आयोजकों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि फिर कोई आयोजन जानलेवा न बन सके।

विशेष जांच दल ने 'किसी बड़े षड्यंत्र' की आशंका को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया है और इसकी गहन तफ्तीश की आवश्यकता पर बल दिया है। उम्मीद है, राज्य सरकार इसे गंभीरता से लेगी। मगर धर्मगुरुओं के लिए भी इस हादसे में एक बड़ी सीख है कि वे कहीं भी सत्संग के लिए जाएं, तो अपने तईं भी आयोजकों से इंतजामों के बारे में दरयाफ्त करें। आखिर श्रद्धालु उनके आकर्षण में जुटते हैं, इसलिए उनकी भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। भारत धर्मपरायण समाजों का देश है और यहां हरेक दिन हजारों जगहों पर छोटे-बड़े आयोजन होते रहते हैं। ऐसे में, बड़े आयोजनों के बारे में जो तय दिशा-निर्देश हैं, उनमें किसी किस्म की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। हमारे तंत्र को पेशेवराना तेवर की जरूरत है और यह तेवर तभी आएगा, जब निचले स्तर पर नियमित प्रशिक्षण और उच्च स्तर पर लापरवाह अधिकारियों को दंडित करने की व्यवस्था होगी। जाहिर है, प्रशासन यदि किसी के प्रभाव में आएगा, तो वह पेशेवर बन ही नहीं सकेगा। इसलिए इस मामले के दोषियों की सजा एक नजीर बननी चाहिए।

नजरिया

सब कुछ बदल गया, पर बाढ़ पीड़ितों की पीड़ा कम नहीं हुई

खबर यह है कि 7 जुलाई, 2024 को कोसी नदी का प्रवाह 3.94 लाख क्यूसेक पार कर गया था और बैराज के सारे फाटक उठा देने पड़े थे, ताकि पानी की सहज निकासी हो सके और बैराज को कोई खतरा न होने पाए।

दिनेश मिश्र, जल विशेषज्ञ

प्रभावित गांवों के लोग अपनी रक्षा के लिए तटबंध पर शरण लेने जा रहे हैं और जब तक नदी का पानी अंतिम रूप से शांत नहीं हो जाता, तब तक उनको वहीं रखने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं है। आज तो कोसी का जल-स्तर कम हो गया है, पर यह कब इतना घटेगा कि लोग वापस अपने घर को लौट सकेंगे, कह पाना मुश्किल है। उस समय तक उनका घर बचा भी रह पाएगा या नहीं, यह भी संदेह के दायरे में है। कोसी क्षेत्र की यह प्राय: हर साल की घटना है, जिसकी शुरुआत 1968 में हुई थी, जब पहली बार कोसी बैराज के सारे फाटकों को एक साथ उठा देना पड़ा था। उस साल नदी में सर्वाधिक प्रवाह 9.13 लाख क्यूसेक पानी आ गया था। यह एक रिकॉर्ड है, जो अभी तक बना हुआ है। नदी में इतना पानी आ जाने की किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उस साल तटबंधों के बीच रहने वालों ने सामूहिक मृत्यु की एक तरह से तैयारी कर ली थी। कोसी तटबंधों के बीच लिलजा, मजरही, कोठिया आदि गांवों के लोग कचनारी कुंवर के डीह आरापट्टी में इकट्ठा हो गए थे, जहां भारी चीख-पुकार मची हुई थी। यहां दूर से घरों के नदी के पानी में गिरने की आवाजें सुनाई पड़ती थीं और लोग अंदाजा लगाते थे कि किसका घर गिरा होगा।

कितने जानवरों का नुकसान हुआ, किसी को पता नहीं, कितने खूंटे से बंधे मर गए, उसका भी कोई हिसाब नहीं। कितना अनाज नष्ट हुआ, कितने बेघर हो गए, यह सब धीरे-धीरे पता लगा। हम आशा करते हैं, ऐसा इस साल नहीं हुआ होगा और जितना यह मौसम अभी बाकी है, उसमें कोई अनिष्ट न होगा। हम ऐसा इसलिए कह पा रहे हैं, क्योंकि 1984 में लगभग इसी परिस्थिति में कोसी का पूर्वी तटबंध टूटा था और 1987 में भी टूट गया था, मगर एकदम आखिरी किनारे पर कोई विशेष क्षति नहीं हुई थी। 2008 में कुसहा (नेपाल) में जो पूर्वी तटबंध में दरार पड़ी थी, वह 18 अगस्त के दिन पड़ी थी। इसलिए हम अभी भी खतरे के बीच फंसे लोगों के प्रति सहानुभूति के कारण ऐसा कह पा रहे हैं। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि तटबंध टूटने की शुरुआत भारतीय सीमा से लगे नेपाल के डलवा गांव से 1963 से हो चुकी थी।

वर्तमान स्थिति यह है कि गत 20 जून को कोसी का प्रवाह 2.39 लाख क्यूसेक था, जिससे लोगों के घरों में नदी का पानी पहुंच गया था और यह आशा की जाती थी कि इसकी पूर्व सूचना प्रशासन द्वारा दी गई होती, तो लोगों को सुरक्षित स्थान तक जाने में मदद मिल जाती। मगर ऐसा नहीं हुआ। तटबंधों के बीच फंसे अनेक घर कटाव के शिकार हो गए हैं। अब बाढ़ पीड़ितों को प्रशासन को यह स्मरण कराना पड़ रहा है कि 3 सितंबर, 2016 को बाढ़ पीड़ितों को उसने कुछ आश्वासन दिए थे और कुछ शर्तें रखी थीं। यह आश्वासन पूरा करने का अब समय आ गया है। उस पत्र में कहा गया है, 'जहां तक उन परिवारों का संबंध है, जिनका घर प्राकृतिक आपदा के कारण बह या क्षतिग्रस्त हो गया है अथवा एक सप्ताह से अधिक दिनों तक जल-प्लावित रहा है, उसे वस्त्र व बर्तन और घरेलू सामान हेतु देय अनुदान भी दिया जाएगा।' इसलिए सभी बाढ़ पीड़ितों को सूखा राशन दिया जाए तथा तटबंधों के भीतर जहां-जहां गांव कट रहे हैं, वहां आवश्यकतानुसार सामूहिक रसोई की व्यवस्था की जाए। कटाव पीड़ितों के आवागमन के लिए सरकारी नाव की व्यवस्था हो और उनके पुनर्वास की व्यवस्था सरकारी जमीन पर तत्काल की जाए। इसी तरह, तत्काल सहायता के रूप में प्रस्तावित धनराशि उन्हें मुहैया कराई जाए। इसके अलावा तटबंधों पर मोबाइल डिस्पेंसरी की व्यवस्था करके डॉक्टरी सहायता गांवों तक पहुंचाई जाए।

बिहार के कोसी पीड़ितों के पुनर्वास के प्रति सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। तटबंधों के बीच सुपौल, सहरसा, मधुबनी और दरभंगा जिलों के 380 गांवों में रह रहे लगभग 15 लाख लोग सरकार की ओर टकटकी लगाए हुए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हर शरणार्थी बच्चे के हाथों में किताब थमाने का इरादा

अब्दुल्लाही मिरे,
पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता

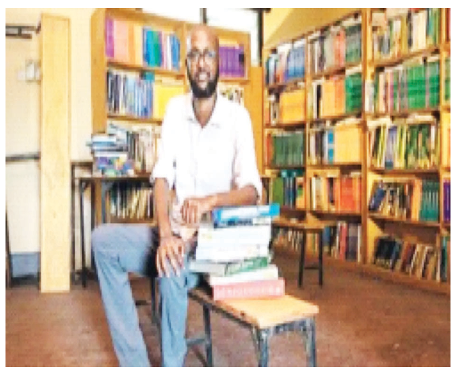

क्या कभी आपने यह सोचा है कि जिन देशों या इलाकों पर अचानक कोई आक्रांता टुकड़ी धावा बोलती है या जहां बागी गुट कहर बरपाने लगते हैं, वहां सबसे ज्यादा नुकसान किसे उठाना पड़ता है? ऐसी हर स्थिति के सबसे निर्मम शिकार मासूम बच्चे बनते हैं। जिंदगी को जानने से कब्ल मौत उन पर झपट्टा मारती है और अगर जिंदा बच गए, तो आगे दशकों का उनका सफर लावारिस या शरणार्थी के रूप में ही तय होता है। अब्दुल्लाही मिरे ऐसे हजारों मासूमों के लिए किसी रहबर से कम नहीं, और इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें 2023 के 'नानसेन शरणार्थी पुरस्कार' से नवाजा है।

साल 1991 में मिरे के माता-पिता जब सोमालिया में भड़के भीषण गृहयुद्ध से जान बचाकर भागे, तब वह बमुश्किल तीन साल के थे। उनके माता-पिता को लगा था कि कुछ महीनों में शांति स्थापित हो जाएगी, तो वे अपने घर लौट आएंगे। मगर विरोधी कबाइली गुट ने उनके कस्बे 'कोरीओली' पर कब्जा उसे खाली कर देने के लिए नहीं किया था, वह इलाका खेती-किसानी के लिहाज से काफी समृद्ध जो था। जाहिर है, घरेलू जंग बढ़ती चली गई और सोमालिया विफल राष्ट्र का दामन फिर कभी न छोड़ पाया। बहरहाल, मिरे के माता-पिता को केन्या के दादाब शरणार्थी शिविर में पनाह मिल गई थी, पर कहां कोरीओली की आजाद जिंदगी और कहां तरह-तरह की बंदिशों में घिरा शरणार्थी जीवन! सुकून सिर्फ इतना था कि हतभागियों की उस बस्ती में ज्यादातर सोमालियाई थे, जिनके साथ जुबान और दर्द की साझेदारी थी। तीन साल के अबोध मिरे के लिए यह अनोखी जगह थी, जहां वह अपने माता-पिता के साथ 'प्लास्टिक शीट' की छत वाली झोंपड़ी में रह रहे थे। उन प्लास्टिक की पन्नियों पर कुछ शब्द छपे थे, जो फर्श पर लेटे मिरे के ऊपर सूरज की रोशनी में जादुई असर डालते। बालक मन में जिज्ञासा पैदा होने लगी थी कि आखिर ये कैसी आकृतियां हैं?

पिता ने उन अक्षरों के मतलब बता दिए थे, मगर वह यह भी जानते थे कि इल्म तक पहुंचने के लिए उनके बेटे को मुकम्मल तालीम की जरूरत होगी। बतौर शरणार्थी उन्हें जो थोड़ी-बहुत सहूलियतें हासिल थीं, उनमें से एक शिविर में संचालित स्कूल में बेटे को पढ़ा सकने की सुविधा भी थी। मिरे का दाखिला हो गया और चंद सालों में उन्हें यह एहसास भी हो गया कि शरणार्थी शिविर की चुनौतियों से बाहर निकलने की एक ही राह है- शिक्षा! जाहिर है, जरूरत और दिलचस्पी, दोनों ने मिरे को गढ़ना शुरू कर दिया।

हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद बस्ती के ज्यादातर बच्चे किसी न किसी काम की तलाश में जुट जाते थे, ताकि वे अपने परिवार का बोझ बांट सकें, मगर मिरे की इच्छा ऊंची तालीम हासिल करने की थी। लिहाजा, उन्होंने स्कॉलरशिप के लिए प्रतियोगी परीक्षा दी और वह उसमें कामयाब भी हो गए। मिरे पत्रकारिता की पढ़ाई करना चाहते थे, क्योंकि दादाब शिविर की रिपोर्टिंग करते पत्रकारों से वह बहुत प्रभावित थे। केन्याता विश्वविद्यालय से 2014 में 'पीआर, कम्यूनिकेशन ऐंड मीडिया स्टडीज' में स्नातक करने के बाद मिरे के पास काम की कभी कमी नहीं रही। अंशकालिक पत्रकार के तौर पर उन्होंने अल-जजीरा, एएफपी, बीबीसी आदि कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों के लिए काम किया। इसी कारण वह नॉर्वे चले आए थे और वहीं बसने का विचार करने लगे थे।

साल 2017 की बात है। एक रिपोर्ट तैयार करने के सिलसिले में मिरे हागडेरा माध्यमिक स्कूल पहुंचे थे। वहां होदान बशीर नाम की लड़की ने एक दिन कुछ झिझकते हुए उनसे कहा- 'भाई, क्या मेरे लिए जीव विज्ञान की किताब खरीद देंगे?' होदान डॉक्टर बनना चाहती थीं। उनकी लरजती आवाज के पीछे की उत्कंठा, शर्म और बेबसी को मिरे से बेहतर भला कौन पढ़ सकता था? अब्दुल्लाही मिरे को लगा अपने नाम और जीवन को सार्थक करने का इससे बेहतर जरिया दूसरा नहीं हो सकता। अब्दुल्लाही का मतलब ही होता है- खुदा का खिदमतगार! उन्होंने होदान के लिए न सिर्फ किताब खरीदी, बल्कि उन जैसे सभी शरणार्थी बच्चों की मदद का प्रण भी उसी पल कर लिया। नॉर्वे में बसने का ख्याल त्यागकर वह अपनों के बीच नैरोबी लौट आए।

लगभग तीन लाख की आबादी वाले दादाब शरणार्थी शिविर के बच्चों के बीच किताबों की किल्लत थी। होदान जैसी 15 लड़कियों को जीव विज्ञान की एक किताब से काम चलाना पड़ रहा था। लड़के तो फिर भी रातों में 'ग्रुप स्टडी' कर सकते थे, मगर सुरक्षा के लिहाज से लड़कियों के लिए यह मुमकिन न था। इसलिए मिरे ने सोशल मीडिया पर 'किताब के लिए दान' मुहिम शुरू की और अपने दूसरे संपर्कों के जरिये करीब 20 हजार किताबें एकत्र कीं। बच्चों में उनको बांटकर मिरे को काफी सुकून मिला। उसने उन्हें 2018 में 'शरणार्थी युवा शिक्षा केंद्र' शुरू करने को प्रेरित किया।

इसी संगठन के जरिये उन्होंने दादाब के तीन सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए लगभग 60,000 किताबें जुटाईं। आज संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, कतर और अफ्रीका की मदद से मिरे के इस संगठन के सात पूर्णकालिक शिक्षक-कर्मचारी और सौ से अधिक स्वयंसेवक शरणार्थी बच्चों को पढ़ा रहे हैं और वहां की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रहे हैं। मिरे की इस पहल ने कई शरणार्थी बच्चों को प्रिंस्टन जैसी प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पहुंचा दिया है। यहां के कई बच्चे आज अच्छे शिक्षक, लेखक व पत्रकार हैं। तालीम ने उनके लिए कई दरीचे खोल दिए हैं।

नानसेन शरणार्थी पुरस्कार के रूप में अब्दुल्लाही मिरे को 83 लाख रुपये से अधिक की धनराशि मिली है। वह इस रकम से दादाब के हर उस मासूम को किताब थमाना चाहते हैं, जिसे किसी अब्दुल्लाही मिरे की तलाश है।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

यूएमएल का नेपाली कांग्रेस के साथ नया गठबंधन

नेपाल में पिछले तीन-चार दिनों में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुए उनके नतीजे सोमवार की आधी रात को सामने आए। इस नाटकीय घटनाक्रम में सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में शामिल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) ने नेपाली कांग्रेस के साथ नया गठबंधन बनाने को लेकर समझौता कर लिया। समझौते के तहत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करेंगे। इन दोनों नेताओं ने सरकार बनाने के संबंध में अर्धरात्रि को जो समझौता किया इससे जाहिर होता है कि वे दिन के उजाले में नेपाल की समकालीन राजनीति के साथ फरेब वाला समझौता करने से भयभीत थे।

देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां और उनके दो कद्दावर नेताओं ने नई गठबंधन सरकार बनाने को लेकर जिस तरह का निर्णय लिया वह नेपाल की लोकतांत्रिक राजनीति को ढलान की ओर ले जाता है। संविधान और लोकतंत्र के नाम पर किए गए इस राजनीतिक समझौते से देश का राजनीतिक भविष्य एक बार फिर अनिश्चितता की ओर बढ़ रहा है।

समझौते के मुताबिक, पहले ओली डेढ़ साल के लिए प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे और उसके बाद देउबा के लिए अपना पद छोड़ेंगे। लेकिन नेपाल के राजनीतिक उतार-चढ़ाव को देखकर कहना मुश्किल है कि ओली समझौते के मुताबिक अपने वादे को निभाएंगे।

ओली और देउबा के बीच में सत्ता के लिए जो समझौता हुआ है, वह कितने दिन तक चल पाएगा अभी से कहना मुश्किल है क्योंकि दोनों नेता जिन दलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे वैचारिक रूप से धुर विरोधी हैं। इसलिए कहा जाना चाहिए कि कपड़ों की तरह गठबंधन का सहयोगी बदलने के पीछे कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि सत्ता की चाह काम करती है। हालांकि सत्ता के इस उलटफेर के भी कुछ सकारात्मक संदेश हैं।

नेपाली संसद की कुल 275 सीटों में से 88 नेपाली कांग्रेस और 79 सीटें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के पास हैं। मात्र 32 सीटें वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के नेता प्रचंड जोड़-तोड़ करके प्रधानमंत्री बन जाते हैं। ओली और देउबा के समझौते से इस तरह की प्रवृत्ति को धक्का पहुंचा है। इसे नेपाली राजनीति के लिए शुभ कहा जाना चाहिए।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकॉनामी) की आवश्यकता क्यों?

प्रहलाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं।

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आशय उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चत्तम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बर्बादी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुन: उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुन: उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफ सर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है - रिड्यूस (Reduce - उत्पादों का उपयोग कम करें) , रीयूज (Reuse -उत्पादों का पुन: उपयोग करें), रीसाइकल (Recycle -बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन (Redesign -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर (Repair -उत्पाद की मरम्मत कर पुन: उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (Renew -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुन: उपयोग करना), रिकवर (Recover -खराब हुए उत्पाद के कुछ पार्ट्स का पुन: उपयोग करना), रीथिंक (Rethink -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस (Repurpose), रिमैन्यूफेक्चर (Remanufacture) आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं।

अत: कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुन: उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है। जैसे जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टोबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 लक्ष सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

राईट ऑफवे के तहत समिति द्वारा 9 प्रकरणों का अनुमोदन

दुर्ग। दूरसंचार अवसंरचना के विकास के लिए तार मार्ग के अधिकार (राईट ऑफवे) की नीति 2021 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा हेतु आज जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में 09 प्रकरणों को अनापत्ति जारी करने हेतु अनुमोदन किया गया। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकायों से कुल 20 प्रकरण प्राप्त हुए थे। इसमें 17 टावर और 03 फाइबर से संबंधित था। 04 प्रकरणों पर नोटिस जारी किया गया। 07 प्रकरणों पर अभिमत प्राप्त नहीं हुआ। शेष 09 प्रकरण पर प्राप्त अभिमत के आधार पर उक्त प्रकरणों को अनापत्ति जारी करने हेतु समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। इसमें अहिवारा के एक प्रकरण, अमलेश्वर के एक, रिसाली के दो तथा भिलाई के पांच टावर के प्रकरण शामिल है। बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, डीएफओ चन्द्रशेखर परदेशी, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, दुर्ग नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, रिसाली नगर निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, ई.डी.एम. श्रुति अग्रवाल सहित सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ उपस्थित थे।

जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन कल

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन 11 जुलाई को सुबह 11 से 3 बजे तक विकासखण्ड पाटन के ग्राम दरबार मोखली में किया जाएगा। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर हेतु जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन को नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी धमधा दीपक निकुंज एवं जनपद पंचायत पाटन मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश कोठारी को नियुक्त किया गया है। सर्व जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ शिविर में उपस्थित होने को कहा गया है।

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र में नौकरियों की सौगात, कुल 45 पदों पर होगी भर्ती

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु औपचारिक सूचना जारी की गयी है। यह भारत सरकार की प्रतिष्ठित महारत्न कंपनी भिलाई इस्पात संयंत्र में रोजगार प्राप्त कर अपना करियर बनाने का सुनहरा अवसर है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन माध्यम से आवेदन आमंत्रित किया है। जिसका विवरण इस प्रकार है। सहायक प्रबन्धक (सर्वे) हेतु 03 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिसका ग्रेड ई–01 एवं अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गयी है। सलाहकार (ई3 ग्रेड) तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (ई2 ग्रेड) हेतु कुल 19 पदों पर भर्तियाँ की जाएंगी, जिसके लिए अधिकतम आयु क्रमशः 41 व 38 वर्ष तय की गयी है। इसी प्रकार चिकित्सा अधिकारी (ओ.एच.एस.) हेतु ई–01 ग्रेड में 01 पद पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए अधिकतम आयु सीमा 34 वर्ष निर्धारित की गयी है। माइन्स फोरमेन हेतु 03 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिसका ग्रेड एस–03 एवं अधिकतम आयु 28 वर्ष निर्धारित है। वहीँ खदानों के लिए जूनियर इन्जिनीयरिंग एसोसिएट (विद्युत पर्यवेक्षक) हेतु कुल 14 पदों पर भर्तियाँ की जाएंगी, जिसका ग्रेड एस–03 एवं अधिकतम आयु 28 वर्ष निर्धारित की गयी है। साथ ही टेक्निकल एसोसिएट (बॉयलर ऑपरेशन) हेतु 05 पदों पर नियुक्ति की जाएंगी, जिसका ग्रेड एस–01 व अधिकतम आयु सीमा 28 वर्ष निर्धारित की गयी है।

कलेक्टर चौधरी ने डीएमएफ से स्वीकृत कार्यों का यूसी सीसी उपलब्ध कराने दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिले में डी.एम.एफ. से स्वीकृत कार्यों की कार्य पूर्णता संबंधी यू.सी./सी.सी. विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने स्तर से कार्यों की समीक्षा कर पूर्ण कार्यों का यू.सी./सी.सी. उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, साथ ही लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें। उन्होंने विभागों में लंबित पेंशन प्रकरणों की जानकारी ली और विभागों में पेंशन के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकृत कराने अधिकारियों को निर्देशित किया।

- कोषालय में ई-कोष सिस्टम, देयक होंगे ऑनलाईन जमा
- नगरीय निकायों में फाईट द बाईट की गतिविधियां जारी रखें
- नगरीय निकायों और विभागों द्वारा लक्ष्य के मुताबिक पौध रोपण कराये
- शासकीय कार्यालयों में रैनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूरी

कलेक्टर ने अवगत कराया कि शासन के निर्देशानुसार सभी कोषालयों में 01 जुलाई से ई–कोष सिस्टम लागू हो चुकी है। अब सभी देयक ऑनलाईन जमा होंगे। उन्होंने जिला कोषालय अधिकारी को जिले के विभिन्न विभागों के लेखा अधिकारी, लेखापाल, सहायक ग्रेड–02 आदि को ई–कोष सिस्टम–ऑनलाईन देयक के संबंध में जानकारी देने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर चौधरी ने नगरीय निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों एवं विभागों द्वारा पौधरोपण की जानकारी ली। उन्होंने सड़क किनारे एवं चिन्हित स्थानों में लक्ष्य के मुताबिक पौधरोपण कराने अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने दुर्ग निगम आयुक्त को एक पौधे मां के नाम से लगाने नगर की महिला मंडल एवं स्व–सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करने कहा है। इसी प्रकार कृषक वृक्ष मित्र योजना अंतर्गत उद्यानिकी एवं कृषि विभाग को अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने तथा जिले के प्रति सहकारी समिति 10 कृषकों को वृक्ष लगाने प्रोत्साहित करने सी.सी.बी. के सीईओ को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि जल संचयन को बढ़ावा देने सभी शासकीय कार्यालयों में रैनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूरी है। जिन शासकीय कार्यालयों में उक्त सिस्टम नहीं है, अधिकारी शीघ्र निर्माण कराना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने जिले में कैच द रैन अंतर्गत अधिकारियों के तालाब–कुओं की सफाई, चेक डेम–स्टाप डेम, नहर–नाली आदि की सफाई के साथ हैण्डपंप–सोखपीट और रिचार्ज पीट पर विशेष फोकस करने कहा है। उन्होंने स्टाप डेम की पानी संग्रहण क्षमता बढ़ाने शील्ड सफाई कराने कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग तथा कृषकों के निजी बोरवेल में भी सोखपीट स्ट्रक्चर बनाने की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया। नगरीय निकायों में मच्छर उन्मूलन हेतु फाईट द बाईट अंतर्गत कुलर, नाली एवं गड्ढों में जमा पानी की सफाई, दवाई का छिड़काव, कार्यालय आदि की सफाई गतिविधियां जारी रहे, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जिले में युवोदय दुर्ग के एक वर्ष पूरे होने और विभागीय कार्यों में युवोदय के सहयोग की सराहना करते हुए इससे जुड़े युवकों के उत्साहवर्धन के लिए प्रति शनिवार युवोदय खेल उत्सव के आयोजन हेतु जिला खेल अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने पीएमश्री योजना और मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना की जानकारी ली।

आर.टी.ई. अंतर्गत चयनित छात्रों का प्रवेश निर्विघ्न रूप से किया जाए

दुर्ग जिले में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समिति एवं आरटीई मेंटोर की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के नियमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले में आर.टी.ई. अंतर्गत चयनित छात्रों का प्रवेश निर्विघ्न रूप से किया जाए। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में नियुक्त सभी मेंटोर से कहा कि वे आरटीई के चयनित छात्रों को उनकी शिक्षा पूर्ण होने तक विद्यालयों में अध्ययनरत् रखने का सतत् प्रयास करें। आर.टी.ई. के छात्रों से किसी प्रकार का भेदभाव न हो। कलेक्टर ने मेंटोर को पालकों से समन्वय स्थापित करने कहा, ताकि छात्रों की उपस्थिति विद्यालय में नियमित रहें। कलेक्टर ने कहा कि समिति सदस्य यह ध्यान रखे कि आर.टी.ई. के छात्रों से किसी प्रकार का फीस न लिया जाए।

प्रधानमंत्री मोर-मकान मोर-आस योजना के आबंटित हितग्राहियो को मकान की चाबी सौंप कब्जा किया प्रदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना केन्द्र सरकार की अति महत्वकांक्षी योजना है। जिसके अंतर्गत आवासहीन हितग्राहियो को नियमानुसार पक्का आवास प्रदान किया जा रहा है। क्षेत्रांतर्गत अविनाश मट्रोपोलिस जुनवानी में प्रधानमंत्री आवास योजना मोर–मकान मोर–आस के तहत आवेदन करने वाले हितग्राहियों की लॉटरी निकाली गई थी।

जिसमें चयनित 54 पात्र हितग्राहियो को आवास का आबंटन किया गया जिसमें 15 हितग्राहियों के द्वारा पूर्ण राशि जमा कराकर कब्जा प्रदान किया गया । मकान पूर्ण रूप से बन कर तैयार हो जाने के पश्चात आज 15 हितग्राहियों को मकान का भौतिक अधिपत्य प्रदान किया गया। नियमानुसार 2 विकलांग एवं 1 वरिष्ठ हितग्राही को भूतल का मकान सौंपा गया। वरिष्ठ महिला रूखमणी देवांगन अपना सपनो का मकान क्रं. 1/4 भूतल में प्रवेश करते हुए कहा कि मेरी वर्षो की इच्छा पुरी हुई। बरसात के मौसम में मुझे परिवार सहित रहने के लिए नीचे का घर मिला, मेरे परिवार को भी छत मिल गया। अब मैं कह सकती हूॅ मेरे धर में रसोई, शौचालय, नहानी खोली एवं रहने का कमरा भी है। मै और मेरे बच्चे बहुत खुश है। मकान मिलते ही हितग्राही अपना सामान लेकर सिफ्ट होने लगे। दिव्यांग धनंजय को भूतल का मकान प्राप्त करते हुए खुसी व्यक्त की मैं नीचे का मकान चाहता था और नीचे का ही मकान मिल गया। उन्होने निगम प्रशासन को धन्यवाद दिया। कार्यवाही के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के सहायक नोडल अधिकारी बी.के.वर्मा, सहायक अभियंता अजय गौर, प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन, सूडा से अभियंता उत्पल शर्मा, आदित्य सिंह उपस्थित रहें।

स्वास्थ्य सुविधाओं में कोताही बरतने पर होगी कड़ी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक में शिशु मृत्यु अंकेक्षण सहित समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024–25 में हुई चिन्हांकित शिशु मृत्यु के प्रकरण, प्रत्येक प्रसव प्रकरणों का पार्टोग्राफ भरते हुए आवश्यक होने पर समय पर उच्च संस्था में रिफरल करने हेतु भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित के विरूद्ध शक्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने राष्ट्रीय टीबी उन्मुलन कार्यक्रम के तहत समस्त गर्भवती महिलाओं की तथा स्वास्थ्य संस्थाओं की ओपीडी संख्या का 5 प्रतिशत एवं 01 दिन की भी खांसी/बुखार होने पर स्पूटम जांच सुनिश्चित करने कहा। ताकि यथाशीघ्र टीबी प्रकरणों का चिन्हांकन कर त्वरित उपचार प्रारंभ किया जा सके। कलेक्टर ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की समीक्षा करते हुए प्रत्येक गर्भवती का शीघ्र पंजीयन करने हेतु मैदानी स्तर पर निगरानी बढ़ायी जाने हेतु निर्देशित किया। कठोर कदम उठाने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिये।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने अप्रैल से जून तिमाही में दर्ज किया अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने वर्तमान वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में उत्पादन और तकनीकी–अर्थशास्त्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। संयंत्र ने पहली तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 1.28 मिलियन टन सेलेबल स्टील उत्पादन दर्ज कर, वित्त वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में दर्ज 1.22 मिलियन टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन को पार किया।

संयंत्र ने अप्रैल से जून अवधि में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 1.16 मिलियन टन फिनिश्ड स्टील उत्पादन दर्ज किया, जो कि वित्त वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में दर्ज 1.08 मिलियन टन फिनिश्ड स्टील उत्पादन से अधिक है।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपनी स्थापना के बाद से किसी भी पहली तिमाही अवधि के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ कुल 2.91 लाख टन प्राइम रेल उत्पादन दर्ज कर, वित्तीय वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 2.88 लाख टन को पार किया। कुल प्राइम रेल उत्पादन में संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल से 1.98 लाख टन का सर्वश्रेष्ठ प्राइम रेल उत्पादन शामिल है, जो कि वित्तीय वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में दर्ज 1.90 लाख टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन से अधिक है।

संयंत्र ने वित्तीय वर्ष 2022–23 की पहली तिमाही, अप्रैल से जून अवधि में दर्ज 2.18 लाख टन लांग रेल उत्पादन के पिछले सर्वश्रेष्ठ की तुलना में वर्तमान वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 2.36 लाख टन लांग रेल उत्पादन किया। इसके अंतर्गत यूनिवर्सल रेल मिल द्वारा उत्पादित 1.90 लाख टन का उच्चतम लांग रेल उत्पादन शामिल है, जो कि वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 1.82 लाख टन से अधिक है। संयंत्र की रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल ने भी 46,654 टन का उच्चतम लांग रेल उत्पादन दर्ज कर, वर्ष 2012–13 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 37,516 टन को पार किया। वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में किसी भी पहली तिमाही अवधि के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ कुल 2.36 लाख टन लांग रेल की लोडिंग की गई, जो वित्त वर्ष 2023–24 में दर्ज 2.17 लाख टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ लोडिंग से कहीं अधिक है। स्टील मेल्टिंग शॉप–3 ने किसी भी तिमाही अवधि के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ कास्ट बिलेट उत्पादन 5.77 लाख टन दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2023–24 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 5.38 लाख टन को पीछे छोड़ा। संयंत्र की बार एंड रॉड मिल ने भी पिछले वित्तीय वर्ष 2023–24 में दर्ज 2.18 लाख टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन की तुलना में वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 2.41 लाख टन दर्ज किया। संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट ने स्थापना के बाद से किसी भी पहली तिमाही की अवधि के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ 5.78 मिलियन टन कुल मटेरियल हैंडलिंग किया, जो कि वित्तीय वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 5.54 मिलियन टन से कहीं अधिक है।

संयंत्र की मोडेक्स यूनिट, रिफ्रैक्टरी मैटेरियल प्लांट–3 ने पहली तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 1.58 लाख टन लाइम और कैल्साइंड डोलोमाइट उत्पादन दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2023–24 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 1.43 लाख टन को पार किया।

केबल वॉर पर भड़के विधायक रिकेश, सीएम साय से की चर्चा, बोले–

अब हुआ विवाद तो चलेगा बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लंबे समय से केबल ऑपरेटर्स विवाद से क्षेत्र में उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी और अशांति को? गंभीरता से लेते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने मंगलवार को उक्त विषय पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा की है। इस संबंध में आईजी और एसपी दुर्ग से भी केबल वार को लेकर बातचीत हुई है।

विधायक रिकेश सेन ने स्पष्ट कर दिया है कि वैशाली नगर क्षेत्र में अब किसी भी तरह का केबल विवाद को लेकर हो रही मारपीट की घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में क्षेत्र की शांति भंग कर रहे दोषी केबल संचालकों के घर बुलडोजर चलेगा।

विधायक रिकेश ने कहा कि केबल व्यावसायियों के आपसी विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट होती है और इस बीच एक दूसरे के केबल काटे जाते हैं। केबल ऑपरेटर स्वतंत्र हैं, वे शहर के किसी भी नेटवर्क से जुड़ सकते हैं। ऐसे में उनके प्रसारण क्षेत्र में पाइंटर बनाने पर इनका आपसी विवाद होता है। अक्सर देखा गया है कि इनकी आपसी लड़ाई में क्षेत्र की शांति भंग होती है और इस खिंचातानी में आम उपभोक्ता को परेशानी होती है।? केबल ऑपरेटरों के आपसी झगड़ों का खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। विधायक रिकेश ने कहा कि देखते ही देखते इस व्यवसाय में कई आसामाजिक तत्व भी पाइंटर बना दिए गए और क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गैंगवार में तब्दील होती गई। इसे देखते हुए तय किया गया है कि भिलाई में केबल वार को अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो लोग क्षेत्र की शांति में रोड़ा बनेंगे, ऐसे सभी केबल पाइंटर्स को चेतावनी है कि अब केबल विवाद होने पर संचालकों के घर पर बुलडोजर चलेगा। केबल की आड़ में अवैधानिक कारोबारी भी राडार पर हैं।

विधायक रिकेश ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब भाजपा की विष्णुदेव सरकार है, पुरानी सरकार में केबल का जो गैंगवार प्रचलन था उसे पूरी तरह बंद किया जाएगा। जो लोग शांतिपूर्ण ढंग से नियमों के अधीन केबल संचालन कर रहे हैं उनको लेकर हमारी आपत्ति नहीं है लेकिन आसामाजिक तत्वों के सहयोग से क्षेत्र में केबल वर्चस्व बनाने चले लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

शांति नगर इंदु आई.टी. स्कूल के पीछे अवैध प्लाटिंग पर की गई कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की शिकायत मिली थी, कि शांति नगर इंदु आई.टी. स्कूल के पीछे वाले भाग में अवैध प्लाटिंग की जा रही है। धड़ल्ले से प्लाट काट कर मुरम गिराकर रोड का निर्माण किया जा रहा है। परमिशन नगर निगम भिलाई एवं टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से नहीं लिया गया था।

नगर निगम भिलाई के भवन अनुज्ञा विभाग की टीम एवं तोड़फोड़ दल मौके पर पहुंचकर रोड निर्माण के कार्य को रूकवाया। आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बार–बार दिशा निर्देश जारी किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति निगम क्षेत्र में प्लाट खरीदने से पहले नगर निगम भिलाई के भवन अनुज्ञा शाखा में आकर संपर्क कर लें। वह जो प्लाट खरीद रहा है, जो मकान या दुकान बनाने के लिए उसका परमिशन मिलेगा की नहीं। फिर भी लोग नगर निगम भिलाई या पटवारी कार्यालय या टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग जाकर यह परीक्षण नहीं करवा रहे है कि उनके खरीदा जाने वाला प्लाट सही है अथवा नही। दलाल के बहकावे में आकर प्लाट खरीद लेते है। प्लाट पर मकान या दुकान बनाने का परमिशन नहीं मिलता है, तो बाद में परेशान होते है।

कार्यवाही के दौरान भवन अनुज्ञा विभाग से सब इंजिनियर दौलत चंद्राकर, शहबाज खान, जोन 2 के राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी एवं निगम के तोड़फोड़ दस्ता दल उपस्थित रहा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

हितग्राहियों को मछली पकड़ने जाल एवं मिला आईस क्यूब बॉक्स

रायपुर। आरंग विकासखण्ड के ग्राम फरफौद में जिला स्तरीय जन-समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों को 269 आवेदन त्वरित निराकृत किए गए। शिविर में विधायक गुरू खुशवंत, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं एसएसपी संतोष सिंह शामिल हुए।

शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिकों ने शिविर के स्टॉल में पहुंच कर अपनी समस्याओं को दर्ज कराई। शिविर में राशन कार्ड बनवाने व नवीनीकरण, भूमि सुधार, पशु शेड निर्माण, श्रम कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड व बिजली आदि संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने गंभीरता के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया। शिविर के दौरान राजस्व विभाग में जन्म प्रमाण-पत्र का आवेदन आवेदकों के द्वारा किया गया। इसमें दयाराम धीवर और मनोज कोशले को उनके पुत्र का जन्म होने के बाद शिविर में आवेदन दिया गया। जिसके तुरंत बाद उन्हें प्रमाण-पत्र हाथों में प्राप्त हो गया। आवेदन का त्वरित निराकरण से हितग्राही प्रसन्न हुए और प्रशासन का धन्यवाद दिया। शिविर में विधायक गुरू खुशवंत व कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने फरफौद के विनोद कुमार धीवर, ऋषिकेश धीवर एवं नीलराम धीवर को आईस क्यूब बॉक्स वितरण किया। साथ ही अकोलीकला के फिरोज कोशले, शेषनारायण, रेखलाल और फरफौद के गोपाल धीवर व ताड़ेगांव के बलराम निषाद को मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया।

जन-समस्या निवारण शिविर में 269 आवेदनों का त्वरित निराकरण

शिविर में विभिन्न विभागों को 368 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 269 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। अन्य आवेदनों पर प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका निराकरण जल्द ही किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छात्रों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भी अपनी मां के नाम करेंगे पौधारोपण

सीएम साय कल करेंगे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का श्रीगणेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में 11 जुलाई को अटल नगर नवा रायपुर स्थित जैव विविधता पार्क में एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन संध्या 4 बजे से होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सहित समस्त अतिथिगणों द्वारा पौधों का रोपण किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा एवं मंत्रिमंडल के सदस्य गण, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अभनपुर इंद्र कुमार साहू, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य वन सचिव ऋचा शर्मा, प्रधान

मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारियों, वनप्रबंधन समिति के सदस्यों, छात्रों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भी अपनी मां के नाम वृक्षारोपण किया जाएगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ प्रारंभ किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों का रोपण किए जाने का लक्ष्य है।

'एक पेड़ मां के नाम' महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में वन विभाग द्वारा वन एवं वनेत्तर क्षेत्रों में 3 करोड़ 85 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अभियान के तहत वृक्षारोपण स्थलों का नामकरण स्थानीय देवी-देवताओं के नाम से करने का आह्वान किया है। सभी जिलों में ग्राम एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अभियान के तहत आम, जामुन, बेल, कटहल, सीताफल, अनार, शहतूत, बेर, तेन्दू, गंगा ईमली जैसे फलदार पौधे तथा लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों जैसे- हर्रा, बहेड़ा, आंवला, नीम, पुत्रन्जीवा, काला सिरस, रीठा, चित्रक आदि प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियां बरगद, पीपल, मौलश्री, कदम, पेल्ट्राफार्म, गुलमोहर, करंज, अशोक, अर्जुन के साथ अन्य प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत सभी स्कूलों, छात्रावासों, आंगनवाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं अशासकीय भूमि, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की रिक्त भूमि पर इस महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ को हरा-भरा बनाकर पर्यावरण संतुलन बनाए

यहां यह उल्लेखनीय है कि एक पेड़ मां के नाम महावृक्षारोपण अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पौधे रोपित कर छत्तीसगढ़ को हरा-भरा बनाकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखना है। इस कार्य में समस्त शासकीय विभाग, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सेवी संस्थान, सभी स्तर के पंचायत संस्थान, विद्यालय, स्कूल, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाकर उनकी भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में कमार महिलाएं गढ़ रही हैं विकास की गाथा

महिलाएं अपने विकास की गाथा स्वयं लिख रही हैं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय समुदाय से आने वाली कमार महिलाएं अपने विकास की गाथा स्वयं लिख रही हैं। कमार जनजाति मुख्य रूप से गरियाबंद जिले के छुरा, और धमतरी जिले के नगरी और मगरलोड विकासखण्डों में पाई जाती है। भारत सरकार द्वारा इन्हें विशेष पिछड़ी जनजाति का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सरकार में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक उत्थान के लिए विशेष कार्य किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कमार परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष पिछड़ी कमार जनजाति की महिलाओं की आजीविका का मुख्य साधन बांस की कारीगरी और पारंपरिक खेती करना है। महासमुन्द जिले के पिथौरा ब्लॉक से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित, गाँव सोनासिल्ली अब समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है।

बिहान योजना के तहत, ग्राम सोनासिल्ली में तकेश्वरी कमार और सचिव गीता कमार के नेतृत्व में महिला विकास और सशक्तिकरण का एक नया अध्याय शुरू हुआ। कमार महिलाओं ने स्व सहायता समूह का गठन किया गया। इस समूह ने 15,000 रुपए के अनुदान के साथ आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत की है। अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग करते हुए, उन्होंने बांस की कारीगरी में हाथ आजमाया और आज बांस से सुन्दर सजावटी सामग्री बनाकर दुकानों में भी विक्रय कर रही है। बांस की सामग्रियों को बेहतरीन कला कृतियों में बदल दिया।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठी उंगलिया तो मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू हुई जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के परिपालन में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में मरम्मत योग्य शालाओं के जीर्णोद्धार एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत कार्यों की जांच शुरू कर दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने सभी कलेक्टरों को उक्त योजना के तहत स्वीकृत कार्यों के औचित्य, आवश्यकता, पूर्णता तथा निर्माणाधीन कार्यों की स्थिति की विशेषज्ञ समिति से जांच कराकर निर्धारित प्रपत्र में 15 दिवस के भीतर जानकारी लोक शिक्षण संचालनालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है।

सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने इस संबंध में कलेक्टरों को प्रेषित पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि योजना के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए विभाग द्वारा पूर्व में राशि जारी की गई थी। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर शासन को शिकायतें मिली है। उन्होंने कलेक्टरों को सभी कार्यों की अद्यतन स्थिति की जांच कराने के निर्देश तथा गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कलेक्टरों को निर्धारित प्रारूप में शाला का नाम, स्वीकृत कार्य, स्वीकृत राशि, कार्य की भौतिक स्थिति, लागत, औचित्य एवं आवश्यकता, गुणवत्ता के संबंध में रिपोर्ट देने को कहा है।

विजन 2047 में छात्रों की भी होगी भागीदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य को साकार करने के लिए राज्य नीति आयोग, उच्च शिक्षा विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य नीति आयोग द्वारा 'अमृत काल : छत्तीसगढ़ विजन 2047' दस्तावेज तैयार किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य के सभी क्षेत्रों का तीव्र विकास सुनिश्चित करना है। इसके लिए सभी युवा नागरिकों, विद्यार्थियों से सुझाव लेने के लिए राज्य के समस्त महाविद्यालय और शासकीय एवं अनुदान प्राप्त तथा निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को ''विकसित छत्तीसगढ़, मेरे सपने का खुशहाल छत्तीसगढ़'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे, जिसका मूल्यांकन प्रासंगिकता, वर्तमान स्थिति का आंकलन, नवाचार, व्यवहार्यता, स्पष्टता और प्रस्तुतीकरण जैसे मानदंडों के आधार पर पैनल द्वारा किया जाएगा और सर्वश्रेष्ठ निबंधों को आयोग द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा।

राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव अनुप श्रीवास्तव एवं सदस्य के. सुब्रमण्यम ने बताया कि छात्रों को अपने निबंध 1500 से 2500 शब्दों में हिंदी अथवा अंग्रेजी में लिखने होंगे। निबंध में छात्रों को छत्तीसगढ़ की वर्तमान स्थिति का आंकलन करना होगा, जिसमें राज्य के सामर्थ्य, कमजोरियों के आधार पर 2047 तक छत्तीसगढ़ को एक समृद्ध और समावेशी राज्य बनाने की अपनी कल्पना व दृष्टिकोण प्रस्तुत करना होगा। छात्रों को राज्य में उद्योग और सेवाओं में सुधार, कृषि और वानिकी में सुधार, गुणवतापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास, गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं, बुनियादी ढांचे का विस्तार, सामाजिक कल्याण, सुशासन और सतत् विकास जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे।

संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गौरड़िया ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है, ताकि उनके सुझावों से छत्तीसगढ़ को एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया जा सके। राज्य नीति आयोग ने सभी छात्रों से इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। छात्र अधिक जानकारी के लिए अपने महाविद्यालय/स्कूल के प्राचार्य से संपर्क कर सकते हैं।

बड़े बकायादार पर कार्यवाही शुरू, 2 बड़े बकायादारों को अंतिम सूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार ,अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उपायुक्त डॉक्टर आरके डोंगरे एवं जोन 8 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देशानुसार जोन सहायक राजस्व अधिकारी प्रमोद जाधव, राजस्व निरीक्षक सुनील रघुवंशी, नीलम सहारे, सहायक राजस्व निरीक्षक नन्द कुमार वैष्णव, रत्नदीप करवाड़े, मनीष भोई, घृतलहरे, बबलू करण की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग ने पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 के सोंनडोंगरी क्षेत्र में वर्ष 2017-18 से 4 लाख 20 हजार 414 के बड़े बकायादार भारत कुमार, माला बाई एवं अन्य के व्यवसायिक संस्थान में बकाया राशि नहीं दिये जाने पर तालाबंदी की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी तो संबंधित भवन स्वामी रमेश अग्रवाल, आरके रोडवेज के यहां सुपरवाईजर के रूप में कार्यरत महेश कुमार नायक ने भवन स्वामी की ओर से जोन 8 जोन कमिश्नर से

बकाया राशि अदा करने एक दिन का समय मांगा एवं लिखित पत्र में बकाया कि भवन स्वामी रमेश अग्रवाल एवं भरत अग्रवाल अभी बाहर है, वे कल तक बकाया राशि का चेक नगर निगम को दे देंगे। जोन कमिश्नर से भवन स्वामी ने अनुरोध किया कि तालाबंदी कार्यवाही न की जाये। इस पर जोन कमिश्नर ने संबंधित बडे बकायेदार को 2 दिन का समय दिया है। 2 दिन में सम्पूर्ण बकाया राशि अदा न करने पर नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की जायेगी। कार्यवाही के दौरान एक बडे बकायेदार द्वारा निगम जोन 8 राजस्व विभाग की टीम को स्थल पर 4 लाख 21 हजार 206 रु. का सम्पूर्ण बकाया राशि का चेक अदा कर दिया गया ।

नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग ने अभियान के दौरान हीरापुर रिंग रोड में खाली भूमि पर ट्रक पार्किंग का बकाया संपत्तिकर की वसूली करने जेसीबी का उपयोग कर मेन गेट नहीं होने की स्थिति में खुदाई कर आवागमन अवरूद्ध कर दिया गया ताकि उक्त खुली भूमि की पार्किंग का उपयोग बड़े बकायेदार द्वारा न किया जा सके। संबंधित बकायेदार ने 2 दिन का समय बकाया अदा करने देने का लिखित अनुरोध किया। जोन 8 कमिश्नर ने 2 दिन का समय बकाया अदा करने दिया है। अदायगी न करने पर 2 दिन बाद निगम द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की जायेगी। सोनडोगरी में ही निगम जोन 8 राजस्व विभाग के बडे बकायादार अनिता अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल एवं अन्य वर्ष 2019- 20 से बकाया राशि 845044 रुपए, संतोष देवी, सुभाषचंद्र 2019 -20 से बकाया 792828 रुपए उक्त तीनों बड़े बकायादारों को 3 दिवस की अंतिम सूचना दी गयी है। 3 दिवस में भुगतान नहीं करने पर तालाबंदी की कार्यवाही की जाएगी। सभी बड़े बकायादारों पर सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान नहीं किये जाने पर कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

स्काउट गाइड्स ने पौधरोपण कर संरक्षण एवं संवर्धन की ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव एवं राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देश के अनुरूप पूरे प्रदेश भर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न किया गया। इसी परिपेक्ष में भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ रायपुर के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुंडा रायपुर में वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजन कर पौधों का रोपण किया गया एवं संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शपथ भी ली गई।

वृक्षारोपण कार्यक्रम की थीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के

नाम पर रखा गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्काउट गाइड्स ने पौधे का रोपण किया। जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल ने कहां कि रायपुर जिले के प्रत्येक स्कूलों में स्काउट गाइड के माध्यम से वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम पूरे विद्यालय स्तर पर वृहद रूप से किए जायेंगे ताकि बच्चों को उद्देश्य और संरक्षण सहित जलवायु परिवर्तन, भीषण गर्मी से बचने वृक्षारोपण कर संरक्षण करने संबंधी जानकारी हो।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधेश कुमार द्विवेदी सीनियर डिवीजन मैनेजर रेलवे रायपुर, अतिथि डॉ सोमनाथ यादव राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्कोउट्स एवं गाइड्स छग, जी स्वामी जिला अध्यक्ष, डॉ सुरेश शुक्ला जिला मुख्य आयुक्त, डॉ. विजय खंडेलवाल जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर, अजय तिवारी जिला उपाध्यक्ष, गायत्री सिंह, मृत्युंजय शुक्ला, जिला पार्षद उमा चंद्रहास निर्मलकर, प्राचार्य फ्रांसिस किस्पोट्टा, विष्णु साहू शाला प्रतिनिधि सचिव,जिला संगठन आयुक्त बालक दास राउत, विकास खंड सचिव धरसींवा मुकेश बोरकर, आरती राजपूत, अपर्णा तिवारी, दामिनी नाग, हेमधर साहू, अखिलेश आमदे, गायत्री साहू, मंजूलता सोनवानी, योगिता साहू, प्रिया चौरसिया, पल्लवी शर्मा, नीलू शर्मा, कपिल शर्मा, नमन साहू सहित 42 विद्यालयों से स्कोउट्स, गाइड्स एवं उनके प्रभारी उपस्थित रहे।

छात्रावासों के रिक्त सीटें जल्द होगी भर्तियां

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की आदिम जाति एवं अनुसूचित विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आदिम जाति एवं अनुसूचित विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विभागीय छात्रावासों के रिक्त सीटों को तत्काल भरा जाएं। साथ ही विशिष्ट संस्थाओं जैसे प्रयास, खेल परिसर का सुचारू रूप से संचालन किया जाए। डॉ. सिंह ने कहा कि नर्सिंग प्रशिक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थियों का आवेदन मंगाया जाए तथा लाभ दिलाया जाए। कलेक्टर ने कहा कि पीसीआर से लंबित आवेदनों का तत्काल निराकरण किया जाए। छात्रावास व आश्रमों के भवन निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराए जाए। साथ ही गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अप्रारंभ व अपूर्ण कार्यों को जनपद पंचायतों के सीईटो से चर्चा कर तत्काल पूर्ण कराया जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, सहायक आयुक्त विजय कंवर समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का गाना मेरी बग्गी मेरा घोड़ा जारी, 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगी प्रीमियर

पिछले कुछ दिनों से अभिनेता वरुण शर्मा अपनी आगामी फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिमर प्रीत सिंह ने संभाली है। वरुण के अलावा इस फिल्म में सनी सिंह, मनजोत और जस्सी गिल जैसे सितारे भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का गाना मेरी बगी मेरा घोड़ा जारी कर दिया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।इस गाने को बाली ने आवाज दी है।

वाइल्ड वाइल्ड पंजाब सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 10 जुलाई, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। पत्रलेखा और इशिता राज जैसी अभिनेत्रियां भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

अभिनेता वरुण शर्मा, खन्ने का किरदार अदा कर रहे हैं, जिसका ब्रेकअप हो चुका है। फिल्म नशे में धुत लड़कों की कहानी है, जो अपने दोस्त के ब्रेकअप का बदला लेने की ठानते हैं। इसके लिए वो उसकी पूर्व प्रेमिका की शादी में खलल डालने का फैसला करते हैं, लेकिन उनकी यह योजना पंजाब जाने के बाद एक अप्रत्याशित रोमांचक यात्रा में बदल जाती है। गुलशन कुमार और भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे इस फिल्म का निर्माण, वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का निर्माण लव फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है।

वरुण को आखिरी बार फिल्म तेरा क्या होगा लवली में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब दर्शक उनकी आगामी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी अनुष्का रंजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का रंजन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं, बताया जा रहा है कि वह हनीश कालिया के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर सीरीज मिक्सचर में अहाना कुमरा के साथ नजर आएंगी। अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।

मिक्सचर एक मनोरंजक सीरीज है, जिसमें अपराध और रहस्य की दुनिया है। सीरीज का हिस्सा बनने पर अनुष्का रंजन ने कहा, मैं मिक्सचर के कलाकारों के साथ काम करके और इस एक्शन थ्रिलर में शामिल होकर बेहद एक्साइटेड हूं। इस प्रोजेक्ट ने अपनी कहानी और किरदारों के जरिए मुझे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

अनुष्का ने कहा- कहानी में आए उतार-चढ़ाव ने मुझे लगातार बांधे रखा। गोवा और मुंबई के शूटिंग एक्सपीरियंस ने रोमांच को बढ़ा दिया। मैं दर्शकों के साथ इस सफर को साझा करने के लिए बेताब हूं और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए आभारी हूं। पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित मिक्सचर इस साल के आखिर में रिलीज होगी। इसकी शूटिंग गोवा के खूबसूरत लोकेशन्स और मुंबई की व्यस्त सड़कों पर हुई है, जो दर्शकों के लिए रोमांचक एक्सपीरियंस होगा।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, अनुष्का रंजन का जन्म मुंबई में 1 अक्टूबर 1990 को हुआ। उनके पिता एक्टर व डायरेक्टर शशि रंजन हैं। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स से 2 साल का एक्टिंग डिप्लोमा किया और फिर कई सालों तक नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप में भी काम किया। अनुष्का ने गुरुजी वीरू कृष्णा से कथक की ट्रेनिंग ली, वह एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। उन्होंने 2015 में फिल्म वेडिंग पुलाव से डेब्यू किया। इसके बाद वह बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज फितरत में काम किया।

सारिपोधा सानिवारम के फर्स्ट लुक में पुलिस किरदार में दिखीं प्रियंका मोहन

नानी अभिनीत अपकमिंग फिल्म सारिपोधा सानिवारम से एक्ट्रेस प्रियंका मोहन का फर्स्ट लुक सामने आया है। तस्वीर में वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में एक बैग पकड़े आसमान की ओर देखती दिखाई दे रही हैं। फिल्म में एक्ट्रेस चारू की भूमिका निभा रही हैं। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का पहला लुक शेयर किया है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, सूर्या सैटरडे से चारुलता के रूप में प्रियंका मोहन ऑफिशियल का परिचय, वह सीधे आपके दिलों तक रिपोर्ट करने के मिशन पर हैं। हाल ही में फिल्म का पहला सिंगल गरम गरम भी रिलीज किया गया, जिसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

निर्माताओं ने फिल्म से नानी का लेटेस्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें उनके किरदार का एक अलग पक्ष दिखाया गया था। नए पोस्टर में नानी को ज्यादा शांत और संयमित दिखाया गया है, जो उनके किरदार के शांत पक्ष को दिखाता है। डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम विवेक अथरेया द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में एसजे सूर्या और साई कुमार पी भी हैं। यह फिल्म 29 अगस्त, 2024 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में सिनेमाघरों में आने वाली है।

कभी मां न बन पाने पर छलका राखी सावंत का दर्द, मसीहा बन पहुंचे सलमान खान

बॉलीवुड की कॉन्ट्रोवर्सी क्वीन राखी सावंत अपने बयानों और बोल्ड अंदाज के कारण अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। चाहे राखी कि शादी से जुड़ी कॉन्ट्रोवर्सी हो या उनका किसी ट्रेंडिगं टॉपिक पर बयान हो, वह किसी न किसी कारण से खबरों में बनी ही रहती है। बता दें, राखी अभी अपनी सर्जरी के बाद दुबई में हैं। हालांकि राखी दुबई में होने के बावजूद लगातार चर्चाओं में हैं। दरअसल राखी ने हाल ही में अपनी सर्जरी करवाई है और एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी सर्जरी से जुड़ी ऐसी बात कही है जिसे जान आप भी हैरान हो जाएंगे।

एक्ट्रेस राखी सावंत ने टेली टॉक को दिए एक इंटरव्यू में बताया है कि अब वह कभी मां नहीं बन सकेंगी। राखी ने कहा कि इस बात का उन्हें बहुत दुख है ,लेकिन उन्हें इसका सामना करना पड़ेगा। राखी ने इसपर आगे कहा की वह विकी डोनर जैसा कुछ करेंगी और सरोगेसी के बारे में सोचेंगी, क्योंकि वह बच्चा भी गोद नहीं ले सकती हैं।

राखी के पेट में था ट्यूमर

दरअसल, राखी ने हाल ही में एक सर्जरी करवाई है, टेली टॉक को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनके पेट में 10 सेमी का एक ट्यूमर था। डॉक्टर को लगा कि वह हार्ट अटैक है, लेकिन वो ट्यूमर निकला। वह कहती हैं, ' इसके बाद डॉक्टर ने मेरा ट्यूमर और यूटरस निकाला'। उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद वह आईसीयू में थीं।

इसी बीच राखी सावंत ने सलमान खान की खूब तारीफ की और यह भी खुलासा किया कि उनके सर्जरी के बिल सलमान खान ने दिए हैं। सलमान खान की तारीफकरते हुए राखी कहती हैं, 'सलमान खान अपने लोगों को कभी नहीं भूलते हैं। वह बिन बताए ही मदद करते हैं'।

संजीव कुमार को पता था कब होगी उनकी मौत

घर के पुरुषों को था जल्दी मरने का 'शाप'

मनोरंजन इंडस्ट्री में जहां लोग बढ़ती उम्र में भी जवां दिखते रहना चाहते हैं, संजीव कुमार जवानी में बुढ़ापे वाले रोल करने लगे थे। इसके पीछे वजह काफी अजीब थी। उनको लगता था कि वह बुढ़ापा नहीं देख पाएंगे। 50 साल के होने से पहल मर जाएंगे इसलिए पर्दे पर वो उम्र जीना चाहते थे। उनका पूर्वानुमान सच हुआ। 50 साल का होने से पहले हार्ट अटैक ने उनकी जान ले ली। वह बताते थे कि उन्हें एक ज्योतिषी ने बताया था कि ऐसा होगा। वहीं लोग मानते हैं कि उनके परिवार के पुरुषों पर को 'शाप' था जिसके चलते कोई 50 की उम्र तक नहीं पहुंचा। उनके जन्मदिन (9 जुलाई) पर जानते हैं उनकी जिंदगी का ये रहस्य।

आखिरी वक्त पर अकेले थे संजीव कुमार

संजीव कुमार ने फिल्मों में खूब नाम और पैसा कमाया मगर उनका आखिरी वक्त अच्छा नहीं गुजरा। वह अकेले थे और जीने की इच्छा खो चुके थे। संजीव कुमार ने शादी नहीं

की थी। इसकी 2 वजह बताई जाती हैं। लोग बताते हैं कि वह हेमा मालिनी से बेइंतेहा प्यार करते थे। शोले के सेट पर धर्मेंद्र और हेमा के बीच नजदीकियां बढ़ीं। संजीव कुमार का दिल टूट गया इसके बाद उन्होंने कभी शादी न करने का फैसला ले लिया। उनके इस फैसले को मजबूती इस बात से भी मिली कि वह सोचते थे कि वह 50 की उम्र पार नहीं कर पाएंगे। उन्हें अपनी मौत का पूर्वानुमान था। अपने दोस्तों और साथी कलाकारों से यह बात बोलते भी थे।

तबस्सुम को बताई थी ज्योतिषी वाली बात

संजीव कुमार जवानी में ही बुजुर्ग वाले रोल करने लगे थे क्योंकि उन्हें लगता था कि वह उस उम्र तक पहुंच ही नहीं पाएंगे।

एक्ट्रेस तबस्सुम ने एक बार तबस्सुम टॉकीज में बताया था, मैंने एक बार उनसे पूछा कि आप उम्रदराज रोल्स क्यों करना चाहते हैं? इस पर वह बोले, तबस्सुम, एक हस्तरेखा पढ़ने वाले ने बताया है कि मैं ज्यादा नहीं जिऊंगा और बुढ़ापा नहीं देख पाऊंगा। इसलिए मैं बुजुर्ग वाले रोल करना चाहता हूं ताकि वो उम्र जी सकूं जो मेरी किस्मत में नहीं है।

परिवार के सारे पुरुषों के साथ हुआ ऐसा

संजय कुमार के परिवार की मेडिकल हिस्ट्री में भी कुछ ऐसा था कि उनके परिवार के पुरुष 50 साल की उम्र तक नहीं पहुंच पाते थे। संजीव कुमार के दादा, पिताजी, छोटे भाई नकुल सबका देहांत 50 से पहले हो गया था। इस वजह से संजीव कुमार को भी यकीन था कि वह 50 पार नहीं कर पाएंगे। उन सभी को हार्ट अटैक हुआ था। संजीव कुमार भी 47 साल की उम्र में हार्ट अटैक से चल बसे।

मस्कारे के भी होते हैं प्रकार, जानिए हर एक विशेषता और अन्य महत्वपूर्ण बातें

मस्कारा एक ऐसा मेकअप उत्पाद है, जिसका इस्तेमाल पलकों को लंबा और घना दिखाने का भ्रम पैदा कर सकता है।हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इसके भी बाजार में कई तरह के रंग और प्रकार मौजूद हैं।रंग तो आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं, लेकिन मस्कारे का प्रकार अपनी जरूरत और मौसम के हिसाब से चुनें।आइए अलग-अलग तरह के मस्कारे और उनकी विशेषताएं जानते हैं।

लिक्विड मस्कारा

लिक्विड मस्कारे सबसे आसानी से मिलने वाले और किफायती होते हैं।यह पलकों को बढ़ाता है और इसके बाजार में वाटर रेसिस्टेंट और वाटर सॉल्युबल दोनों वेरिएंट में उपलब्ध हैं।ये मस्कारे कई तरह के रंग और वैंड में भी आते हैं, जिसे आप अपनी जरूरत अनुसार ले सकते हैं।अगर आपकी पलके थोड़ी मुड़ी हुई हैं तो आप इस मस्कारे में निवेश कर सकती हैं।यहां जानिए हर महिला के लिए जरूरी मेकअप टूल्स।

लैश लिफ्टिंग मस्कारा

अगर आपकी पलकी एकदम सीधी हैं तो आपके लिए लैश लिफ्टिंग मस्कारे का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।इस तरह के मस्कारे एक खास फॉर्मूले के साथ आते हैं, जो पलकों को उठाने और कर्ल करने में मदद करता है।इसका कारण है कि इसमें घुमावदार या पतले वैंड होते हैं, जो आपकी पलकों को जड़ से लेकर सिरे तक कोट करने में मदद करते हैं।यहां जानिए मस्कारा लगाने से जुड़ी सामान्य गलतियां।

पाउडर मस्कारा

पाउडर मस्कारा कई लोगों के लिए नया हो सकता है क्योंकि इसे लगाने का तरीका लिक्विड मस्कारें से एकदम अलग होता है।इस मस्कारे में पानी की कुछ बूंदे मिलाकर उसे ब्रश की मदद से पलकों पर लगाना होता है।पाउडर मस्कारा कई प्रकार के रंग में आते हैं, जिसमें काला, भूरा और नीला सबसे ज्यादा मांग वाले हैं।इस मस्कारे का इस्तेमाल सर्दियों के दौरान करना ज्यादा अच्छा है क्योंकि यह जल्दी स्मज नहीं होता ।

क्रीमी मस्कारा

अगर आपकी पलकें हल्की हैं तो क्रीमी मस्कारा का चयन करें। इसका कारण है कि यह मस्कारा पलकों को वॉल्यूम देकर उन्हें घना दिखाता है।इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद मॉइस्चराइजिंग और बटरी सॉफ्ट फॉर्मूला पलकों को टूटने से भी बचाता है।आजकल बाजार में क्रीमी मस्कारा मेट फिनिश से लेकर शाइनिंग फॉर्म में उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार मेकअप किट का हिस्सा बना सकते हैं।

मस्कारा लगाने का सही तरीका

आप चाहें खुद के लिए किसी भी तरह का मस्कारा चुनें, अगर उसे लगाने का तरीका सही होगा तो उसके फैलने की संभावना काफी कम होगी।सबसे अच्छा तरीका ये है कि आप मस्कारा लगाने से पहले इसके ब्रश को एक टिश्यू पेपर से अच्छी तरह से पोंछ लें।इस तरह से उस पर लगा अतिरिक्त मस्कारा आसानी से निकल जाएगा और बाकी मस्कारा बिल्कुल सही तरह से पलकों पर लगेगा।

ब्लैक आउटफिट में प्रज्ञा जैसवाल ने दिखाई सिजलिंग अदाएं

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही खूबसूरत सी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही शानदार फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो अपने कातिलाना अंदाज से लोगों के बीच कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर का रिवीलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं। गले में नेकलेस, खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने कातिलाना हुस्न का दीदार करवाती रहती हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। उन्हें 2.5 मिलियन यूजर्स इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं।

खास खबर

जन-समस्या निवारण शिविर में 269 आवेदनों का त्वरित निराकरण

रायपुर। रायपुर के आरंग विकासखण्ड के ग्राम फरफौद में जिला स्तरीय जन-समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों को 269 आवेदन त्वरित निराकृत किए गए। शिविर में विधायक गुरू खुशवंत, कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एवं एसएसपी संतोष सिंह शामिल हुए। शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिकों ने शिविर के स्टॉल में पहुंच कर अपनी समस्याओं को दर्ज कराई। शिविर में राशन कार्ड बनवाने व नवीनीकरण, भूमि सुधार, पशु शेड निर्माण, श्रम कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड व बिजली आदि संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने गंभीरता के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया। शिविर के दौरान राजस्व विभाग में जन्म प्रमाण-पत्र का आवेदन आवेदकों के द्वारा किया गया। इसमें दयाराम धीवर और श्री मनोज कोशले को उनके पुत्र का जन्म होने के बाद शिविर में आज आवेदन दिया गया। जिसके तुरंत बाद उन्हें प्रमाण-पत्र हाथों में प्राप्त हो गया। शिविर में विभिन्न विभागों को 368 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 269 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। अन्य आवेदनों पर प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका निराकरण जल्द ही किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप, सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पुलिस ने बलवा की स्थिति से निपटने किया मॉकड्रिल

जशपुर। आकस्मिक परिस्थितियों एवं दंगाईयों से निपटने के लिये रक्षित केन्द्र जशपुर में बलवा ड्रिल का मॉक अभ्यास किया गया, उक्त अभ्यास कार्यवाही में पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारीगण सहित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार भी उपस्थित रहे। बलवा ड्रिल अभ्यास कार्यवाही की पूरी प्लानिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी द्वारा तैयार किया गया एवं रक्षित निरीक्षक अमरजीत खूंटे द्वारा व्यवहारिक रूप में परिवर्तित किया गया। बलवा ड्रिल में कमांडर के रूप में उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर एवं मजिस्ट्रेट के रूप में स.उ.नि. रामनाथ राम को तैनात किया गया था। पुलिस की विभिन्न टोलियों को श्रमिक यूनियन इत्यादि में विभक्त किया गया था, जो अपनी विभिन्न मांगो को लेकर अत्याचार बंद करो, शोषण बंद करें एवं हमारी मांगे पूरी करो कहते हुये नारेबाजी कर हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हें सर्वप्रथम मजिस्ट्रेट द्वारा समझाईस दिया गया कि उनकी मांगो पर विचार किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों द्वारा नहीं मानने पर वे पुलिस द्वारा लगाये बेरिकेड को तोड़ते हुये आगे बढ़ गये एवं जमकर तोड़-फोड़ कर रहे थे, इसी दौरान परिस्थिति बिगड़ता देख मजिस्ट्रेट के आदेश पर भीड़ को तीतर-बीतर करने के लिये अश्रु गैस के गोले छोड़े गये जिससे भीड़ कुछ समय के लिये तीतर-बीतर हुआ, भीड़ पुन: और आक्रामक होकर नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा था, जिस पर परस्थिति गंभीर एवं जान-माल के नुकसान होने की पूरी संभावना होने पर मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस की हथियार से लैस टीम आगे बढ़ी और चिन्हित कर दंगाईयों के मुख्य कमांडर, सदस्य सहित कुल 03 लोगों के उपर गोली चलाई गई।

सिस्टम का मुंह चिढ़ा रहा यह गांव

जिम्मेदारों ने नहीं सुनी फरियाद तो ग्रामीणों ने खुद ही कर लिया जुगाड़, चंदा जोड़कर शुरू किया काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के धनगोल गांव के ग्रामीणों ने एक मिसाल पेश की है। ग्रामीण लगातार प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक से पुलिया की मांग करते रहे। लेकिन किसी ने भी इनकी नहीं सुनी, तब जाकर ग्रामीणों का सब्र टूटा और गांव में ही लोगों ने 100 ङ्क 100 रुपये चंदा जोड़कर मशीनरी लगाई और ताड़ के तनों से ध्वस्त हुए पुलिये पर रपटा बनाना शुरू कर दिया। गांव वालों का दावा है कि यह रपटा तीन दिनों में बनकर तैयार हो जाएगा। हालांकि यह रपटा वैकल्पिक है, इस रपटे से पैदल व दो पहिया वाहन वाले ही पार हो सकेंगे।

बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के धनगोल पंचायत का यह मामला है, जहां प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से एक अदद पुलिया की फरियाद करते ग्रामीण थक चुके थे। तब ग्रामीण प्रशासन से उम्मीद छोड़ बारिश में पेश आने वाली कठिनाईयों से बचने श्रमदान के बूते जुगाड़ की पुलिया को आकार देने में व्यस्त हो गए। नेशनल हाईवे से महत 3 किमी दूर धनगोल गांव को जोड़ती कच्ची सड़क में बनी यह पुलिया करीब पांच साल पहले ढह गई थी। जिसके चलते बारिश के दिनों में उफनते नाले से गांव वालों की मुश्किलें बढ़ जाती थी। 50 परिवारों तक ना तो एंबुलेंस पहुंच पाती थी और ना ही दुपहिया वाहन से नेशनल हाईवे तक पहुंचा जा सकता था।

बारिश के मौसम में पुलिया के अभाव में गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट ही जाता था। धनगोल गांव के सरपंच नागैया समेत ग्रामीणों का कहना है कि इस परेशानी से निजात पाने दफ्तरों से लेकर जनप्रतिनिधियों से लगातार गुहार लगाते रहें, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी।चुनाव के वक्त भी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी, कार्यकर्ता पहुंचे, उनसे बारम्बार मिन्नतें की गई, भरोसा मिला कि चुनाव जीतते पहली प्राथमिकता पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। चुनाव खत्म हो गए, लेकिन आश्वासन के सिवाए उन्हें हासिल कुछ नहीं हुआ। सरकारी दफ्तर से लेकर विधायक तक मिन्नतें कर जब हासिल कुछ नहीं हुआ तो गांव वालों का सब्र टूट गया और तय हुआ कि प्रशासन हो चाहे नेता, इनसे उम्मीद रखने से बेहतर अपनी परेशानी का हल खुद निकालने का निर्णय गांव वालों ने लिया।

सहमति बनी और खुदाई के लिए टैक्टर आदि मशीनरी को काम पर लगाने गांव वालों ने 100-100 रूपए चंदा जोड़ा।वैकल्पिक व्यवस्था में ध्वस्त पुलिया पर रपटे की योजना बनाई गई। जिसमें गांव वालों ने इको फ्रेंडली तकनीक को आजमाया।

इलाके में ताड़ वृक्षों की बहुलता के मद्देनजर वृक्ष के तनों के सहारे रपटे को आकार देना शुरू किया।गांव वालों का दावा है कि तीन दिन के भीतर उनकी जुगाड़ की पुलिया बनकर तैयार हो जाएगी। हालांकि यह उतनी टिकाउ नहीं होगी कि इस पर से टैक्टर या चार पहिया वाहन गुजर सके। एक मोटरसाइकिल और पैदल चलकर ही लोग पार हो पाएंगे। बहरहाल धनगोल में ग्रामीणों की आपबीती और मौजूदा हालात सिस्टम को मुंह चिढ़ा रहे हैं।

अमृत सरोवरों में अधिक से अधिक करें पौधरोपण-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि जिले में चिन्हांकित अमृत सरोवरों में अधिक से अधिक पौधरोपण करें जिससे सरोवर को हरा-भरा किया जा सके। साथ ही समय-सीमा की प्रकरण, जनचौपाल, जन शिकायत पर सभी अधिकारी आवश्यक कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण करें। कलेक्टर ने मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष मंे समय सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग स्कूलों में पोषण वाटिका के विकास हेतु विशेष पहल करें, साथ ही नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के जाति-प्रमाण पत्र जारी करने के लक्ष्य को आवश्यक गति दें।

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा में कृषि एवं संबद्ध विभागों के योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चाकर किसानों के केसीसी, खाद-बीज की उपलब्धता पर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिले में लखपति दीदी हेतु लक्षित परिवार और उनके कौशल प्रशिक्षण, सीआरपी एवं मैपिंग की स्थिति की चर्चा की गई।इसके अलावा जिले में महिला लखपति दीदी पहल को आवश्यक प्रगति देने के भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए। प्रधानमंत्री आवास योजना की क्रियान्वयन की साप्ताहिक प्रगति की साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना के लंबित राशि की मांग हेतु पत्राचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा के कार्यों में जिन क्षेत्रों में कम बारिश हो रही वहां लेबर ज्यादा निकवाने कहा। मनरेगा में संलग्न मजदूरों एबीपीएस की प्रगति की भी समीक्षा किए और मनरेगा के सहयोग से आंगनबाड़ी, पीडीएस दुकानों की निर्माण की भौतिक प्रगति की जानकारी पर चर्चाकर भवन पूर्ण होने पर संबंधित विभागों को हैण्ड ओवर देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अमृत सरोवर योजना के तहत स्वीकृत कार्यों की भौतिक प्रगति और तालाबों का गहरीकरण का भी समीक्षा की। उन्होंने ई-पास मशीन से ई-केवायसी करवाने, पीडीएस बारदाना संकलन, सीएमआर मॉनिटरिंग रिपोर्ट, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना स्वीकृत कार्यों की प्रगति, स्वास्थ्य विभाग से रेफरल की स्थिति सिकलसेल की जांच,आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा किए।

राजभवन में धूमधाम से मनाया गया बिहार, ओडिशा, गुजरात, सिक्किम और तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में बिहार, ओडिशा, गुजरात, तेलंगाना और सिक्किम राज्यों का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान और समझ से भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाएगें। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजन किया गया था, जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले गुजराती, बिहारी, उड़िया, तेलुगू समाज और सिक्किम के लोगों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह गर्व विषय है कि आज हमारे बीच बिहार, ओडिशा, गुजरात, सिक्किम और तेलंगाना राज्यों के लोग हैं, जो हमारे जीवन को समृद्ध बना रहे हैं और छत्तीसगढ़ के उत्थान और विकास में योगदान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने और इसकी प्रगति को आगे बढ़ाने में इन राज्यों के नागरिकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उनकी उपस्थिति से न केवल विविधता आई है बल्कि नए विचारों और दृष्टिकोणों का भी संचार हुआ है।

राज्यपाल हरिचंदन ने इन विभिन्न राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बुद्ध और महावीर की भूमि बिहार ने मानव जाति को शांति और अहिंसा का संदेश दिया। शिक्षा के केंद्र नालंदा ने हमारे ज्ञान और संस्कृति को एक नया आयाम दिया है। छत्तीसगढ़िया और उड़िया भाई-भाई हैं और दोनों राज्यों की संस्कृति एक-दूसरे से मिलती-जुलती है। पश्चिमी ओडिशा का छत्तीसगढ़ के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव और सामाजिक सद्भाव है। संबलपुरी कपड़ा और संगीत छत्तीसगढ़ के जीवन का हिस्सा बन गया है और लगभग 30 लाख उड़िया लोग छत्तीसगढ़ में रहते हैं तथा राज्य के विकास में योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि गुजरात पश्चिमी भारत का गहना है। यह व्यापार और वाणिज्य का सबसे बड़ा केन्द्र है। राज्य ने सदियों से अपने प्राचीन इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखा है। अपने त्योहारों, पहनावे और भाषा से लेकर उनके उत्सवों और स्वादिष्ट भोजन तक, गुजरात आश्चर्यजनक रूप से अपनी जीवंत संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है।

तेलंगाना अपने विविध इतिहास और विरासत के साथ नवाचार का संगम है। भारत का सबसे युवा यह राज्य, दक्षिण और उत्तर की दो संस्कृतियों का मिश्रण है। सिक्किम अपनी प्राकृतिक सुंदरता और संपदा के साथ-साथ शांति और सद्भाव का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि सभी राज्य एक-दूसरे से सीखने और भारत को अधिक शक्तिशाली, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महान गुरु के उपदेशों से समाज में नई जागृति आई-रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। सतनामी समाज के सबसे बड़े धर्मगुरु राजा गुरु बालदास साहेब और युवराज गुरु सौरभ साहेब का भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छग शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुंगेली के रेस्ट हाऊस में जिला स्तरीय सामाजिक कार्यक्रम में सतनामी समाज के सबसे बड़े धर्मगुरु एवं सतनामी समाज के धर्म रक्षक राजा गुरू धर्मगुरु बालदास साहेब तथा मे युवराज गुरु सौरभ साहेब पधारे थे। रत्नावली कौशल ने राजा गुरु एवं युवराज गुरु से भेंटकर उनसे आशीर्वाद लिया।

रत्नावली कौशल ने राजा गुरु धर्म गुरु बालदास साहेब को जानकारी दी कि वे क्षेत्र के गांवों में जब भी सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने जाती हैं,समाज की बालिकाओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं और युवा व किशोर उम्र के भाइयों को नशापन एवं अन्य बुराइयों से दूर रहकर सामाजिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करती हैं। उनसे आग्रह करती हैं कि परम आदरणीय गुरु घासीदास बाबा के संदेशों और उपदेशों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें, जब भी क्षेत्र में हमारे धर्म गुरु आएं, उनके चरणों में अधिक से अधिक समय व्यतीत करें। रत्नावली कौशल ने राजा गुरु बालदास साहेब को यह भी बताया कि वे समाज की महिलाओं को साक्षर बनने, स्वरोजगार अपनाने और अपने बच्चों को गुरु घासीदास जी बाबा के संदेश उपदेशों के बारे में अधिक से अधिक बताएं और उन्हें गुरु चरणों से जोड़े रखें। रत्नावली कौशल ने जानकारी दी कि आप जैसे महान गुरु के उपदेशों का हमारे समाज के सभी आयु वर्ग के लोगों पर सकारात्मक असर पड़ा है, समाज में नई जागृति आई है। हमारे समाज के युवा रचनात्मक कार्यों से जुड़ गए हैं, समाज की माता बहनें भी आगे आकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं और हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। रत्नावली कौशल ने राजा गुरु धर्म गुरु बालदास साहेब से निवेदन कि आपका आशीर्वाद हम संतानों पर सदैव बना रहे और आपका आगमन क्षेत्र में लगातार होता रहे। ताकि समाज में नई क्रांति आ सके।

युवाओं के हैं प्रेरणास्त्रोत

रत्नावली कौशल ने युवराज गुरु सौरभ गुरु से भेंट के दौरान उन्हें युवाओं के पथ प्रदर्शक और प्रेरणास्त्रोत बताया। कहा कि आपने इतनी कम आयु में सतनामी समाज और समूचे मानव समाज के कल्याण के लिए जो बीड़ा उठाया है, वह बड़ा ही सराहनीय और अनुकरणीय है। आपने अपना जीवन हमारे परम गुरु गुरु घासीदास बाबा के चरणों में अर्पित कर दिया है,यह हर युवा के लिए प्रेरणा दायक है। हमारे समाज के शिक्षित और हर वर्ग के ज्यादातर युवा आपको अपना रोल मॉडल मानकर अपने कदम आगे बढ़ा रहे हैं। आपकी पावन प्रेरणा से हमारे युवा भाई बहन गुरु घासीदास बाबाजी के सिद्धातों पर चलते हुए समाज और देश की सेवा के लिए अग्रसर हो रहे हैं।

बच्चों में शिक्षा ग्रहण करने की अपार शक्ति, लगन और ईमानदारी से करें मां-बाप के सपनों को साकारः केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज रायपुरा स्थित पंडित गिरिजा शंकर मिश्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने नौनिहालों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। उन्होंने इस मौके पर बच्चों को शाला गणवेश तथा पाठ्यसामग्री वितरण भी किया। उन्होंने छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकल प्रदान किया। मंत्री कश्यप ने इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए नवाचार मॉडल प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मंत्री कश्यप ने शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में अपार क्षमता है। शासकीय स्कूल के बच्चे कठिन पस्थितियों के बाद भी बेहतर परिणाम ला रहे हैं। यह हम सबके लिए यह खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि बच्चे लगन और ईमानदारी से शिक्षकों के आदर्श में चलकर शिक्षा ग्रहण कर अपने मां-बाप के सपनों को साकार करें, बच्चों को हताश-निराश होने की जरूरत नहीं है। समय को ध्यान रखते हुए खेलने के समय खेले-कुदे और पढ़ाई के समय पढ़ाई करें।

गरीब, किसानों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। भविष्य निर्माता आज के नौनिहालों की शिक्षा-दिक्षा में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए सरकार तत्पर है। हमारी सरकार ने प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम जैसी बड़ी-बड़ी संस्थानें स्थापित की है।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

फर्जी कंपनी बनाकर ठगी, जुर्म दर्ज

रायपुर (ए.)। अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी का आईडी कॉर्ड प्राप्त कर 2 कंपनियों के नाम से फर्म बनाकर ठगी किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनीष कुमार पाठक 37 वर्ष एम्स अस्पताल टाटीबंध के पास रहता है। बताया जाता है कि अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी के आधार कार्ड, पेनकार्ड प्राप्त कर दो कंपनी आईसा इंटरप्राइजेस एवं पाठक इंटरप्राइजेस के नाम से धोखाधड़ी किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

हजारों रुपए के सामान पार

रायपुर (ए.)। कांदूल स्थित पीएचईडी साइन के गोदाम से अज्ञात चोर हजारों रुपए के सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रज्वल बिसेन 26 वर्ष न्यू राजेन्द्र नगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के कांदूल स्थित पीएचईडी साइन के गोदाम से अज्ञात चोर ने शटर को मोड़कर कटर मशीन, लोहा, रॉड व अन्य हार्डवेयर सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 35 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

लोहे का चैनल लेकर चालक फरार

रायपुर (ए.)। सरोरा स्थित महामाया स्टील कंपनी से लाखों रुपए का लोहे का चैनल लेकर ट्रक चालक फरार हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अफजल अंसारी 40 वर्ष पारस नगर देवेन्द्र नगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वाहन क्रमांक आरजे 52 वीए 8322 के चालक ने सरोरा के महामाया स्टील से 14,33,708 रुपए के लोहे का चैनल लोड कर कर्नाटक के लिए रवाना हुआ था, जो आज तक अपने गंतव्य स्थान तक नहीं पहुंच पाया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। विधानसभा पुलिस ने गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आमासिवनी ओव्हरब्रीज के पास आरोपी जलधर दीप 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब 12 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से एक करोड़ से ज्यादा की ठगी

शातिर ने फर्जी किरदारों के जरिए किया स्कैम, शादी के लिए लड़की की तलाश में था इंजीनियर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शादी के लिए लड़की तलाश कर रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शातिर ने लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपए की ठगी की। मिमिक्री में माहिर शातिर ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर को अलग अलग किरदारों के जरिए झांसे में लिया। कभी लड़की बनकर तो कभी लड़की का भाई बनकर यहां तक की आरबीआई के अफसर के रूप में भी उसने बात की। इस तरह शातिर ने अलग अलग किरदारों के जरिए 1 करोड़ 39 लाख 51 हजार 277 रुपए की ठगी की। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420, 386, 34 भादवि एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार सरकण्डा बिलासपुर निवासी नितिन जैन प्राईवेट कंपनी पुणे मे सॉफ्टवेयर इंजिनियर है। उसने सायबर थाना आकर स्वयं के साथ सायबर ठगी होने की रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके साथ 01 करोड 39 लाख 51 हजार 277 रुपए की ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद डॉ. संजीव शुक्ला पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेन्ज बिलासपुर एवं रजनीश सिंह (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा धोखाधड़ी व सायबर अपराधों की समीक्षा कर समस्त राजपत्रित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिये गये थे। इस के पालन में एक विशेष टीम द्वारा आरोपियों का पता ठिकाना ज्ञात कर विवेचना प्रारम्भ की गई जो आरोपी का आनलाईन ठगी का काम करने में संलिप्त होने की जानकारी प्राप्त हुई।

इंकम टैक्स जज सुब्रमण्यम और प्रापर्टी टैक्स अधिकारी रामकृष्णन बना

आरोपी ने पुणे जाकर एक नई कहानी बनाई जिसमें लडकी एकता जैन के परिवार का हैदराबाद में प्रापर्टी होना बताया जिसकी बिक्री हेतु हैदराबाद जाना बताया यहां नया सिम कार्ड खरीदकर प्रार्थी को हैदराबाद के इंकम टैक्स के जज सुब्रमण्यम की बदली हुई आवाज में मोबाइल पर संपर्क कर एकता के गिरफ्तार होने का झांसा देकर प्रार्थी से करीब 20 लाख रू विभिन्न बैंक अकाउंट में जमा करा लिया। आरोपी ने एकता जैन का चेन्नई में भी प्रापर्टी का टैक्स जमा न होने के कारण एकता की गिरफ्तारी की संभावना बताकर चेन्नई का प्रापर्टी टैक्स अधिकारी रामकृष्णन की बदली हुई आवाज में तमिल, हिन्दी, अंग्रेजी में प्रार्थी से करीब 15 लाख रू विभिन्न बैंक अकाउंट में जमा करा लिया।

मामले की जांच दौरान पता चला कि आरोपी रोहित अपने भाई के घर पुणे गया हुआ था। जहां उसकी मुलाकात जैन कॉलोनी में रहने वाले प्रार्थी नितिन जैन से हुई। आपसी परिचय बढने के बाद रोहित को पता चला कि नितिन जैन के विवाह के लिए लडकी की तलाश कर रहा है। इसका फायदा उठाकर रोहित ने विवाह योग्य लड़की से परिचय कराने की बात कही। इसके बाद उसने 2-3 लड़कियों की फोटो दिखाई। नितिन ने इस दौरान एक लड़की एकता जैन को पसंद किया जो कि वास्तव में थी ही नहीं। रेहित ने एकता जैन के नाम पर फोन कर नितिन जैन से नजदीकी बढ़ाई और शादी के राजी होने की बात कही। इसके बाद ठगी करना शुरू किया।

मामले में आरोपी रोहित जैन निवासी कटरा बाजार जैन एजेन्सी वार्ड न. 15 मैहर थाना मैहर जिला मैहर (म.प्र.) को मैहर से गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त 02 नग एण्ड्रायड फोन 02 नग कि-पैड फोन 11 नग सिम कार्ड जब्त किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर बिलासपुर उमेश कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं एसीसीयू बिलासपुर अनुज कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा निमितेश सिंह के मार्गदर्शन में निरीक्षक राजेश मिश्रा प्रभारी एसीसीयू एवं रेंज सायबर थाना बिलासपुर उप निरीक्षक अजय वारे, एएसआई सुरेश पाठक, प्रधान आरक्षक सैय्यद साजिद, विक्कु सिंह ठाकुर आरक्षक चिरंजीव कमलेश, मुकेश वर्मा का विशेष योगदान रहा।

आरबीआई अधिकारी विनित के रूप में ठगा

आरोपी ने इसी प्रकार आरबीआई अधिकारी विनित की बदली हुई आवाज में इन्स्टेन्ट लोन एप के माध्यम से रकम अदायगी न कर पाने के कारण तुम जांच एजेंन्सीयो के सर्विलेंस में हो पुलिस व ईडी अधिकारी तुम्हारे घर पर रेड करने वाले है तुम दरवाजा मत खोलना और स्वयं जाकर प्रार्थी के घर का दरवाजा खटखटाने लगा और प्रार्थी को भय हो गया कि पुलिस इसे कभी भी गिरफ्तार कर सकती है आरोपी स्वयं प्रार्थी के घर के निचे खडे होकर फोटो खिंचकर प्रार्थी को भेजता था कि तुम जांच एजेंन्सीयो के सर्विलेंस में हो। प्रार्थी डर में आकर से करीब 20 लाख रु विभिन्न बैंक अकाउंट में जमा करा लिया।

मिमिक्री में माहिर है शातिर ठग

राहित स्कूल के समय से ही मिमिक्री करता रहा है महिला, पुरूष साउथ इंडियन, फिल्मी कलाकारो के हुबहु नकल कर आवाज निकालने में माहिर है। इस पूरे ठगी के प्रकरण में उसने स्वयं ही महिला एकता जैन, महिला के मामा का लडका अंशुल जैन, जिला जज सुब्रमन्यन स्वामी हैदराबाद, प्रापर्टी टैक्स ऑफिसर रामकृष्णन चेन्नई, मोबाईल लोन एप रिकवरी एजेन्ट बॉस, आरबीआई इन्स्पैक्टर विनित का किरदार गढकर प्रार्थी को झांसे में लिया। प्रत्येक किरदार निभाने के लिये अलग-अलग कंपनी का सिम कार्ड इस्तेमाल किया। आरोपी ठगी कर ऑनलाईन बैंटिंग एप डी-247 के एवीएटर, तीन पत्ती, रमी, क्रिकेट पर दांव लगाता था।

शातिर ने अलग अलग किरदार बनाकर की ठगी

काल्पनिक नाम एकता जैन जिससे प्रार्थी विवाह करने की बात तय हुई थी आरोपी ने एकता के बीमार होने व अन्य आवश्यकता होने का झांसा देकर प्रार्थी से करीब 30 लाख रू विभिन्न बैंक अकाउंट में जमा करा लिया। इसके बाद आरोपी ने एक नया सिम कार्ड खरीदकर एकता जैन का भाई अंशुल जैन बनकर नये आवाज में प्रार्थी से संपर्क कर अपनी बहन से विवाह की पारिवारिक सहमति दी बातचीत दौरान प्रार्थी को शेयर मार्केट में हानि होने, प्रॉपर्टी टैक्स पटाने, फैमली डिस्प्युट होने का हवाला देकर प्रार्थी से करीब 30 लाख रू विभिन्न बैंक अकाउंट में जमा करा लिया।

रुआबांधा में गाभिन गाय को चाकू मारने वाले बदमाश का पुलिस ने निकाला जुलूस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रुआबांधा में सोमवार की आधी रात गाभिन गाय को चाकू मारकर फरार हुए आरोपी रमाशंकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को रुआबांधा बस्ती में उसका जुलूस निकाला गया। भिलाई नगर पुलिस ने आरोपी रमाशंकर के खिलाफ धारा 325 BNS एवं छ ग पशु कृषक परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 10 के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

बता दें मंगलवार की सुबह 10:30 बजे रुआबांधा निवासी दुर्गेश यादव ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी गाभिन गाय को मोहल्ले के रमाशंकर सोमवार रात लगभग 1 बजे चाकू मार दिया। चाकू पेट में फंसा हुआ था। सूचना मिलने पर भिलाई नगर पुलिस सर्वप्रथम मौके पर पशु चिकित्सक बुलाकर घायल गाय के पेट मे लगे चाकू को निकलवाकर इलाज कराया।

दुर्गेश यादव के रिपोर्ट पर रमाशंकर के खिलाफ धारा 325 BNS एवं छत्तीसगढ़ पशु कृषक परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 10 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। भिलाई नगर पुलिस मंगलवार को आरोपी रमाशंकर को लेकर रुआबांधा पहुंची और पूरे मोहल्ले में घुमाया। इस दौरान वह लोगों से माफी मांगता भी दिखा। इस दौरान आरोपी रमाशंकर गो हमारी माता है चाकू बाजी नहीं करूंगा के नारे लगा रहा था।

नक्सलियों से मुठभेड़ में एक महिला नक्सली ढेर

■ **सुरक्षाबलों से बरामद किया शव, चार माओवादी गिरफ्तार**

कांकेर। छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर तैनात सुरक्षाबलों को मंगलवार को दोहरी सफलता मिली। एक तरफ उन्होंने 8 लाख रुपए की इनामी नक्सली को मार गिराया, तो वहीं दूसरी तरफ 4 नक्सलियों को गिरफ्तार भी कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में आठ लाख रुपए की इनामी महिला नक्सली को मार गिराया।

कांकेर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) इंदिरा कल्याण एलेसेला ने बताया कि छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिनागुंडा गांव के करीब जंगल में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में महिला नक्सली रीता मड़ियाम (30) को मार गिराया। एलेसेला ने बताया कि छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में जिला रिजर्व गार्ड (DRG), बस्तर फाइटर्स और सीमा सुरक्षा बल (BSF) के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था तथा दल जब बीनागुंडा गांव के जंगल में था तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने जब घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां एक महिला नक्सली का शव, एक .303 की राइफल, एक .315 बोर की राइफल और भारी मात्रा में हथियार तथा नक्सली सामान बरामद किया। एलेसेला ने बताया कि महिला नक्सली की पहचान PLG मिलिट्री कंपनी नंबर पांच की सदस्य रीता मड़ियाम के रूप में हुई है और उसके सिर पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

उधर सुकमा जिले में पुलिस को मंगलवार को चार नक्सलियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली। बताया जा रहा है कि DRG और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन पर निकली थी। उसी समय इन नक्सलियों को पकड़ने में सफलता मिली हैं। गिरफ्तार सभी नक्सली चिंतलनार थाना क्षेत्र के निवासी हैं।

जशपुर पुलिस लाइन में प्रदर्शनकारियों पर चली लाठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मंगलवार को पुलिस लाइन में प्रदर्शनकारियों पर लाठी चली। दंगाइयों को भागने के प्रयास में गोली चली जिससे तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान मौके पर प्रशासनिक अफसरों के साथ एसपी सहित अन्य अफसर मौजूद रहे। इनकी मौजूदगी में प्रदर्शन पर काबू पाया गया। दरअसल यह कोई वास्तविक प्रदर्शन नहीं था। आपात स्थिति में ऐसे मौके पर पुलिस को किस प्रकार कार्रवाई करनी है इस संबंध में मॉकड्रिल किया गया। इस दौरान तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार भी उपस्थित रहे।

मॉकड्रिल की पूरी प्लानिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी द्वारा तैयार किया गया एवं रक्षित निरीक्षक अमरजीत खूंटे द्वारा व्यवहारिक रूप में परिवर्तित किया गया। बलवा ड्रिल में कमांडर के रूप में उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर एवं मजिस्ट्रेट के रूप में एएसआई रामनाथ राम को तैनात किया गया था। पुलिस की विभिन्न टोलियों को श्रमिक यूनियन इत्यादि में विभक्त किया गया था, जो अपनी विभिन्न मांगो को लेकर अत्याचार बंद करो, शोषण बंद करें एवं हमारी मांगे पूरी करो कहते हुये नारेबाजी कर हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे।

एएसपी ने बताया अभ्यास का महत्व

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर अनिल सोनी द्वारा उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों को बलवा ड्रिल अभ्यास की उपयोगिता एवं महत्व को बताया गया। अभ्यास किये रहने से परिस्थिति बिगड़ने पर या कानून व्यवस्था निर्मित होने पर उसका सामना कैसे किया जाए इसके लिए पुलिस को हमेशा तैयार रहना चाहिए एवं किस प्रकार नियंत्रित करना है वह भी आना चाहिए। उन्हें बताया गया कि दंगाईयों से बात कैसे करते हैं, वक्तव्य प्रभावशाली एवं असरदार होना चाहिये, बिना बल का प्रयोग किये कानून व्यवस्था को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है। अपनी उर्जा को सही तरीके से इस्तेमाल करने हेतु बताया गया। आने वाले समय इस तरह के मॉकड्रिल का और अभ्यास कराया जायेगा।

गोली लगने से तीन घायल, अस्पताल में भर्ती

विषम परिस्थितयों में यह अभ्यास काम आएगा : शशिमोहन सिंह

मॉकड्रिल कार्यक्रम एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि सभी टीमों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। भविष्य में कानून व्यवस्था या ऐसी परिस्थिति निर्मित होती है तो यही अभ्यास काम आयेगा। अश्रु गैस का उपयोग करने से भीड़ पर नियंत्रण पाया जा सकता है, बेरिकेड टूटने पर फोर्स हिंसक प्रदर्शन को कैसे रोकता है, बैरिकेड तोड़ते समय पर कैसे निपटना है इसको बारीकी से बताया गया। इस दौरान पुलिस को क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए और किस क्रम में बल का प्रयोग करना चाहिए, बल प्रयोग करने का तरीका क्या होगा इस संबंध में भी पुलिस अधीक्षक द्वारा बारीकी से प्रशिक्षण देकर बताया गया। इस दौरान पुलिस की क्या कमियां थी उसे नोटिस कर दूर करने का निर्देश दिया गया।

पहले दी समझाइश नहीं माने तो छोड़े अश्रु गैस के गोले

प्रदर्शन के दौरान सर्वप्रथम मजिस्ट्रेट द्वारा समझाईस दी गई। उन्हें कहा गया कि उनकी मांगो पर विचार किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों द्वारा नहीं मानने पर वे पुलिस द्वारा लगाये बेरिकेड को तोड़ते हुये आगे बढ़ गये एवं जमकर तोड़-फोड़ करने लगे। परिस्थिति बिगड़ता देख मजिस्ट्रेट के आदेश पर भीड़ को तीतर-बीतर करने के लिए अश्रु गैस के गोले छोड़े गये। इससे भीड़ कुछ समय के लिये तीतर-बीतर हुई। इसके बाद फिर से आक्रामक होकर नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहे थे। परस्थिति गंभीर एवं जान-माल के नुकसान होने की पूरी संभावना होने पर मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस की हथियारों से लैस टीम आगे बढ़ी और चिन्हित कर दंगाईयों के मुख्य कमांडर, सदस्य सहित कुल 03 लोगों के उपर गोली चलाई गई। गोली चलाने से 03 लोग घायल हुये उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस में डालकर इलाज के लिए ले जाया गया।

उक्त अभ्यास कार्यक्रम में एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा, एसडीओपी कुनकुरी विनोद मंडावी, एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल, तहसीलदार जशपुर जयश्री राजपक्षे, निरीक्षक रविशंकर तिवारी, नायब तहसीलदार राजेश कुमार यादव, रक्षित निरीक्षक अमरजीत खूंटे सहित जिले के समस्थ थाना, चौकी लाईन व ऑफिस के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

खेतों में करंट के मामले में हाईकोर्ट सख्त

केंद्र सरकार से कहा लाइसेंस देकर जवाबदेही से नहीं बच सकते

बिलासपुर। रतनपुर क्षेत्र के गांवों के खेतों में करंट आने के मामले में मंगलवार को हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि किसी भी कंपनी को सिर्फ लाइसेंस देकर आप जवाबदेही से बच नहीं सकते। कोर्ट ने शासन को शपथपत्र में जवाब देने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई निर्धारित की है।

हाईटेंशन बिजली तार के कारण कई गांवों में ग्रामीणों और मवेशियों की जान को खतरा है। भयभीत ग्रामीणों ने हजारों एकड़ में इसके चलते खेती बंद कर दी है। प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने जनहित याचिका के तौर पर इसकी सुनवाई शुरू की है। सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश ने हाईटेंशन तार बिछाने वाली सरकारी कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, यहां इस काम को पूरा करने वाली जबलपुर ट्रांसपोर्टेशन कंपनी से इन जगहों पर इंजीनियरों को भेजकर पूरी जांच कराने का निर्देश दिया था। इसकी रिपोर्ट व्यक्तिगत शपथपत्र पर कोर्ट में प्रस्तुत करने का भी आदेश कोर्ट ने दिया था। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र अग्रवाल की डीबी में केंद्र शासन की ओर से कहा गया कि, हमने पावर ग्रिड को सिर्फ लाइसेंस दिया है। उन्होंने अगर कहा होता तो हम इस जगह पर पहले सर्वे कराकर जांच रिपोर्ट जारी करते। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि, आप सिर्फ लाइसेंस देकर जवाबदेही से बच नहीं हो सकते।

साथ ही कहा कि जानकारी दें कि हाईटेंशन विद्युत लाइन होने के चलते रतनपुर क्षेत्र के लगभग आठ गांवों के खेतों में हाईटेंशन तार के नीचे और टॉवरों के आसपास करंट के झटके महसूस किए जा रहे हैं। बचने के लिए लोग रबड़ के बूट, जूते पहन रहे हैं, इसके बावजूद हर रोज ग्रामीणों को करंट लग रहा है। मवेशियों और बच्चों को इससे ज्यादा खतरा है। इस समस्या से कछार, लोफंदी, भरारी, अमतरा, मोहतराई, लछनपुर, नवगंवा, मदनपुर अधिक प्रभावित हैं। इन गांवों में 20 से अधिक टावर होने की वजह से जमीन में करंट दौड़ रहा है। यहां के किसानों का मुख्य व्यवसाय सब्जी की खेती है। हाईटेंशन लाइन के कारण बार-बार करंट लगता है।

खास-खबर

जनदर्शन में पूरी हुई फरियाद, वृद्धा सुमरिता का बना राशन कार्ड

कोरबा। राशन कार्ड नहीं होने से खाद्यान्न के लिए परेशानी झेल रही वृद्धा सुमरिता बाई ने कलेक्टर जनदर्शन में आकर आवेदन दिया। वृद्धा सुमरिता बाई से आवेदन मिलते ही कलेक्टर अजीत वसंत ने खाद्य अधिकारी को तत्काल निर्देशित किया कि वृद्धा सुमरिता बाई की पात्रता की जांच कर आवेदन का निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर से मिले निर्देश के पश्चात खाद्य अधिकारी ने तत्काल जांच की। जांच में पाया गया कि आवेदिका सुमेरिका बाई पति आनंद दास ग्राम पंचायत अरदा, विकासखण्ड कटघोरा अंत्योदय राशन कार्ड के लिए पात्र हैं। उन्होंने सुमरिता बाई के नाम पर अंत्योदय राशन कार्ड जारी कराकर ग्राम पंचायत के सरपंच के माध्यम से घर में वितरण किया। जनदर्शन में आवेदन देने के पश्चात् शीघ्रता से अपनी समस्या का निराकरण हो जाने पर सुमरिता बाई ने खुशी जताई और कहा कि अब उन्हें आसानी से खाद्यान्न उपलब्ध होगा। इसी तरह ग्राम जोरहाडबरी विकासखण्ड पाली निवासी प्रवीण कुमार ने अपनी माता के नाम पर जारी राशन कार्ड में स्वेच्छा से अपना नाम विलोपित करने जनदर्शन में आवेदन दिया। कलेक्टर के निर्देश के पश्चात खाद्य अधिकारी ने प्रवीण कुमार का नाम आश्रित सदस्य से तत्काल विलोपित कर दिया।

31 तक होगा खरीफ फसलों का बीमा

रायपुर। कृषकों की फसल को प्रतिकूल मौसम सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 2024 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है। खरीफ वर्ष 2024 के लिए बीमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक निर्धारित की गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत् जिले के किसान मुख्य फसल धान सिंचित,धान असिंचित एवं अन्य फसल, मक्का, सोयाबीन,अरहर (तुअर), उड़द एवं कोदो फसल का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों को फसल को प्रतिकूल मौसम एवं प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए बीमा में शामिल किए जाने वाले ऋणी एवं अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो सम्मिलित हो सकते हैं। जो किसान अधिसूचित ग्राम में अधिसूचित फसल के लिए वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि ऋण स्वीकृत, नवीनीकृत की गई हो अनिवार्य रूप से सम्मिलित होंगे। इनके अलावा ऐच्छिक आधार पर अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी गैर ऋणी किसान जो योजना में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक हो वे फसल बुआई पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्व-घोषणा पत्र नवीन आधार कार्ड, नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर खाता क्रमांक/आईएफएससी कोड, बैंक का पता साफ दिख रहा हो, किसान का वैच मोबाइल नंबर बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए फसल साझा / कास्तकार का घोषणा पत्र इत्यादि दस्तावेज लेकर अपनी समिति, संबंधित बैंक, संबंधित बीमा प्रदाय कम्पनी, लोक सेवा केन्द्र, डाक घर में निर्धारित अंतिम तिथि 31 जुलाई के पूर्व अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने साय सरकार का अहम फैसला

सीएसआईडीसी के सारे रेट कॉन्ट्रेक्ट होंगे निरस्त सभी शासकीय खरीदी जेम पोर्टल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कैबिनेट में शासकीय समानों की खरीदी गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की रोकथाम के मद्देनजर एक बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने सीएसआईडीसी के माध्यम से खरीदी में भ्रष्टाचार की शिकायतों को देखते हुए इसके सभी रेट कॉन्ट्रेक्ट को जुलाई माह के अंत तक निरस्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार ने जेम पोर्टल से खरीदी पर रोक लगा दी थी, शासकीय सामग्री की खरीदी में दिक्कत, गुणवत्ता का अभाव एवं भ्रष्टाचार की शिकायतें काफी बढ़ गई थी।

साय सरकार ने इसको गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का फैसला लिया है, बल्कि जेम के माध्यम से खरीदी की व्यवस्था को फिर से बहाल कर शासकीय सामग्री की खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। विष्णु सरकार का यह फैसला सुशासन की दिशा में एक और कदम है। कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम 2002 के (यथा संशोधित 2022) में संशोधन प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

राज्य शासन के सभी विभाग आवश्यकतानुसार सामग्री, वस्तुओं एवं सेवाएं, जिनकी दरें एवं विशिष्टियां भारत सरकार के डीजीएसएण्डडी की जेम वेबसाइट में उपलब्ध हों, का क्रय जेम वेबसाईट से नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया पालन कर करेंगे। अतिरिक्त आवश्यकता होने पर सामग्री, वस्तु एवं सेवाओं के क्रय के संबंधित विभागों को वित्त विभाग से अनुमति लेना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसके अलावा और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्ण रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया। नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा 5वीं तक बच्चों को स्थानीय भाषा-बोली में शिक्षा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्री-प्राइमरी से 12 वीं तक सबको शिक्षा उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गई है। इस नवीन शिक्षा नीति के तहत समतामूलक और समावेशी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही प्रचलित शैक्षणिक संरचना 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 लागू किया गया है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा वन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारकों की मृत्यु होने पर वारिसानों के नाम पर काबिज वन भूमि का हस्तांतरण राजस्व या वन अभिलेखों में दर्ज करने संबंधित कार्यवाही के लिए प्रक्रिया प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे भविष्य में नक्शा का जिओ रिफ्रेंसिंग होने से भूखण्ड का आधार नंबर भी लिया जाएगा। इसका उपयोग नामांतरण, सीमांकन, बटवारा आदि में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र सहायक प्लाटून कमाण्डर (नर्सिंग), प्रधान आरक्षक (नर्सिंग), मेल नर्स, फिमेल नर्स, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, नर्सिंग असिस्टेंड, कम्पाउण्डर, ड्रेसर, आरक्षक (बैण्ड), आरक्षक (श्वान दल) भर्ती प्रक्रिया वर्ष-2023 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट अनारक्षित वर्ग को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा के अतिरिक्त एक बार के लिए 05 वर्ष की छूट एवं आरक्षित वर्ग को पहले से 05 वर्ष की आयु शिथिलीकरण के अतिरिक्त, एक बार के लिए, निर्धारित आयु सीमा में 05 वर्ष की और छूट प्रदान की जाएगी।

प्रदेश में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, सुशासन एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए एक पृथक विभाग ''सुशासन एवं अभिसरण विभाग'' का गठन किया गया है। जिसमें ई-समीक्षा, ई-लोकसेवा गारंटी एवं डिजिटल सेक्रेटरियेट को शामिल किए जाने के संबंध में मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। पूर्व में ये शाखाएं सामान्य प्रशासन विभाग में थी।

नवा रायपुर में आवासहीन, आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न वर्ग के परिवारों को आवास मुहैया के लिए पंजीयन की तिथि में तीन वर्ष की वृद्धि कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नवा रायपुर में आवासों का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें हितग्राहियों को न्यूनतम मूल्य में आवास प्रदान करने के लिए पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों को यथावत् रखा गया है। आवासों के पंजीयन की तिथि को 31 मार्च 2024 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दिया गया है। इस निर्णय से अभी तक रिक्त मकानों के पंजीयन में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र तथा संबंधित प्राधिकरण की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को अधिकृत किया गया है और इसके लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग को प्रशासकीय विभाग बनाया गया है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की बजट में 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य संवर्ग के भारतीय वन सेवा में वर्ष 1992 से 1994 तक के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदस्थ 06 अधिकारियों को गैर-कार्यात्मक आधार पर यथास्थान प्रधान मुख्य वन संरक्षक स्तर के समतुल्य वेतनमान 01 जनवरी 2024 से प्रदान करने हेतु भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, से सहमति प्राप्त की जाएगी। इसी तरह अधीक्षण अभियंता (सिविल) से मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर पदोन्नति के लिए निर्धारित न्यूनतम अवधि 05 वर्ष में केवल एक बार के लिए 01 वर्ष की छूट प्रदान करने का निर्णय भी कैबिनेट ने लिया है।

सीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत होंगे आवास

कैबिनेट की बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश के जरूरतमंद सर्वेक्षित 47 हजार 90 आवासहीन परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के तहत 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023 तक प्रदेश में कुल 59.79 लाख परिवारों का सर्वेक्षण पूर्ण किया गया, जिसमें 47 हजार 90 परिवार ऐसे पाए गए जो आवासहीन है, किन्तु उनका नाम सामाजिक आर्थिक एवं जातिगत जनगणना की स्थायी प्रतीक्षा सूची में नहीं है। ऐसे आवासहीन परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण से आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

गृहमंत्री ने माँ के नाम पर लगाया पौधा, कहा- प्रकृति को बनाना है हरा-भरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कबीरधाम जिले में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, स्काऊट गाइड के सदस्य, हरितिमा ग्रुप के सदस्य सहित अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर कवर्धा वन मंडल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने निःशुल्क पौधा वितरण के लिए स्ट्राइक फोर्स वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रकृति को हरा भरा बनाना है, एक पेड़ मां के नाम लगाना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक-पेड़ माँ-के-नाम प्रारंभ किया गया है, जो मूलतः वृक्षारोपण अभियान है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि निःशुल्क पौधा प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा क्यू.आर. कोड जारी किए गए है। जिससे स्कैन करके पौधा प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही 3 सम्पर्क नंबर भी जारी किया है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक पौधा के लिए मांग किया जाएगा तथा शनिवार एवं रविवार को पौधा वितरण किया जाएगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बरमकेला अस्पताल में 10 बिस्तर आइसोलेशन वार्ड का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने बरमकेला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 87 लाख रुपए की लागत से निर्मित 10 बिस्तर आइसोलेशन वार्ड का उद्घाटन तथा 50 लाख रूपए की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, जिससे अंचल में ख़ुशी का माहौल है।

वित्त मंत्री ने अस्पताल व्यवस्था के साथ आर.एन.एम, पैथोलॉजी एवं अस्पताल परिसर का अवलोकन किया। आर.एन.एम पहुंचकर वहां की महिलाओं से खाना पीना और स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी ली।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। हमारी सरकार किस तरह से मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। उसे आप लोगों ने बहुत अच्छे तरीके से देखा है। राज्य सरकार ने 25 दिसंबर की तारीख को श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती पर किसानों को 3 साल का बोनस प्रदान करने का निर्णय कैबिनेट की पहली बैठक में ही ले लिया। लंबित 18 लाख गरीबों का पीएम आवास का निर्माण सीएम विष्णु देव साय के नेतृत्व की सरकार में किया जा रहा है। लोकसभा आचार संहिता के पूर्व किसानों को 3100 रुपए के दर से धान खरीदी की। इससे छत्तीसगढ़ के किसानों के ग्रामीणों के आर्थिक स्थिति किस तरह से समृद्ध हुई है उसे आप सब लोग महसूस कर रहे हैं।

सभी किसान को इस योजना का बहुत बड़ा लाभ मिला है और उसे छत्तीसगढ़ की ग्रामीण व्यवस्था को मजबूत करने में बहुत मदद मिली है। पूरे देश भर में महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक माता बहनों को प्रतिमाह 1000 भुगतान हो रहा है।

मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई बनी पशुपालकों के लिए वरदान

बीमार पशु के इलाज के लिए चिकित्सा वाहन अपने स्थान पर बुला सकता है पशुपालक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब राज्य के पशुपालकों को अपने पशुओं के बीमार होने पर चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब वे आसानी से अपने स्थान पर चिकित्सा वाहन बुलवाकर अपने बीमार पशु का अच्छे से इलाज करवा सकता हैं। इस योजना के तहत केवल एक मोबाइल कॉल द्वारा बीमार गोवंश को बेहतर चिकित्सा का लाभ मिल रहा है। वहीं इंसानों की तरह ही अब पशुओं को भी चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे पशुओं में बीमारियां कम फैलने के कारण उनकी मृत्यु दर में कमी आ रही है।

पशुपालकों ने बताया कि पशुओं के स्वास्थ्य के लिए अब चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। कोंडागांव जिले में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई पशुपालक किसानों के लिए वरदान बन गई है। कोंडागांव जिले में पशुओं को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाने में यह सेवा बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इस योजना में चिकित्सा वाहन के माध्यम से बीमार पशुओं को घर-घर जाकर उचित इलाज किया जा रहा है। अच्छे इलाज के अभाव में जब पशुओं में बीमारी फैलने से उसकी मृत्यु हो जाती है, जिससे पशुपालक को भी हानि होती है। इससे किसान की आर्थिक स्थिति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के कारण अब किसानों को बीमार पशुओं को अस्पताल तक पहुंचाने की चिंता भी कम हो गई है। मोबाइल चिकित्सा योजना के लागू हो जाने के बाद पशु संरक्षण को बढ़ावा मिलने लगा है। अब कोई भी पशुपालक अपने पशु के बीमार होने पर जल्द से जल्द चिकित्सा वाहन को अपने स्थान पर बुलवा सकते हैं और अपने पशुओं का अच्छे से समय पर इलाज करवा सकते हैं।

पशु चिकित्सा सेवाएं के उप संचालक शिशिरकांत पांडे ने बताया कि इस वाहन में रोग की जांच व उपचार के साथ ही कृत्रिम गर्भाधान और निकृष्ट बैलों के बधियाकरण के उपकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहती है। यह वाहन प्रतिदिन तीन स्थानों पर शिविर आयोजित कर पशुओं के रोगों की जांच व उपचार करती है। इसके माध्यम से अब तक 40 हजार 783 पशुओं का उपचार, 11541 पशुओं में रोग जांच, 38 हजार 945 पशुओं को दवाइयां, 71 गायों का कृत्रिम गर्भाधान, 1818 निकृष्ट पशुओं का बधियाकरण और 29189 पशुओं का टीकाकरण किया गया है।

ग्राम पश्चिम बोरगाव के पशुपालक सनोज दास की गाय का प्रसव पश्चात गर्भाशय (बच्चादानी) बाहर आ गया था। जिसकी सूचना पशु मालिक द्वारा मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के हेल्पलाइन नं. 1962 में कॉल कर दी गई। सूचना पर मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई की टीम ने तत्काल पहुंच कर पीड़ित गाय का गर्भाशय अंदर किया तथा जरूरी उपचार किया गया। वर्तमान स्थिति में गाय पूर्ण रूप से स्वस्थ है। माकड़ी ब्लॉक के ग्राम पखनाबेड़ा के पशुपालक मरदम सिंह वट्टी की बकरी प्रसव करने में असमर्थ थी तथा 6 घंटों से पीड़ित थी। जिसकी सूचना पशु मालिक द्वारा मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई की टीम को मिलने पर टीम द्वारा तत्काल पहुंचकर बकरी के गर्भाशय मे फंसे हुए मेमना को बाहर निकाला गया और बकरी तथा मेमने दोनों की जान बचाई गई।

इस नल से पानी ही नहीं, होने लगी हैं खुशियों की बरसात

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। वह बरसात का ही महीना था। आसमान से पानी तो बरस रहे थे...नदी-नाले उफान पर थे... गाँव के आसपास सब कुछ जलमग्न जैसा था...उसके लिए तो बरसात एक आफत की बरसात बन गई थी ,क्योंकि सभी तरफ पानी-पानी होकर भी वृद्धा गणेशों बाई बूँद-बूँद को मोहताज थीं। यह सिर्फ बरसात के दिनों की ही बात नहीं थीं। वृद्धा गणेशों बाई और गाँव के अधिकांश लोगों को गर्मी के दिनों में भी इसी तरह की समस्याओं से भुगतना पड़ता था। बरसात में गंदे हुए नाले के पानी से काम चलाना पड़ता था और गर्मी के दिनों में पानी सूख जाने से दूर-दूर तक पानी की तलाश में भटकना पड़ता था। ऐसे कई चुनौतियां भी आई कि बरसात के दिनों जान जोखिम में डालकर पत्थरों में फिसलन के बीच पानी का इंतजाम करना पड़ा..। अब जबकि गाँव में ही जल जीवन मिशन और क्रेडा के माध्यम से सोलर ड्यूल पम्प लग गया है तो वृद्धा गणेशों के घर नल लगाया गया है। इस नल से उसकी बरसाती आफत खत्म होने के साथ ही नल से पानी मिलने के साथ खुशियों की बरसात भी होने लगी है।

कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम कोरई पानी की समस्या हर गर्मी में विकराल हो जाती थी। ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ता था। कुछ दूर मौजूद एक नाला ही था, जिनके भरोसे गर्मी, बरसात बिताई जाती थी। लेकिन यह आसान भी नहीं था, क्योंकि गर्मी में जल का स्तर कम होने के साथ ही सूखे जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता था। वहीं बारिश में नाले में उफान के साथ ही गन्दे हुए पानी उनकी परेशानी का सबब बन जाती थी। गांव में पानी में उपलब्ध कराने कई प्रयास भी हुए, लेकिन पर्वतीय इलाका होने की वजह से पानी की समस्या जस की तस बनी रही। आखिरकार इस समस्या से निपटने नई रणनीति अपनाई गई। जल जीवन मिशन और क्रेडा के माध्यम से गाँव में सोलर ड्यूल पम्प की स्थापना की गई। इस पम्प से घरों तक पाइप लाइन बिछाया गया। सभी प्रक्रिया पूरी कर जब पानी आपूर्ति शुरू की गई तो यह गाँव के लिये एक बड़ी उपलब्धि और खुशियों का अवसर था। नल से घर में ही पानी मिलना यानी उनकी बड़ी समस्या का अंत था। शायद इसीलिए गाँव कोराई की 65 वर्षीय वृद्धा गणेशों बाई कहती है कि इस नल ने उनकी बहुत बड़ी समस्या को दूर कर दिया है। बरसात के दिनों में साफ पानी के लिए बहुत तरसना पड़ता था। जिस नाले से गाँव के लोग पानी लेते थे वह मटमैला होने के साथ गंदा भी हो जाता था और बारिश में पत्थरों में हुई फिसलन के बीच बर्तन से पानी भरकर घर लाना भी बड़ा जोखिम भरा होता था। गणेशो बाई ने यह भी बताया कि पानी की समस्या साल भर बनी रहती थी। गर्मी के दिनों में भी पानी का स्तर कम होने का खामियाजा भुगतना पड़ता था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950